**RADIANT ACADEMY**
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
**RADIANT ACADEMY**
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses



आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

पेज 7 हर्षाली मल्होत्रा का साउथ...


वर्ष : 27 | अंक : 199 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 09 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8


'एक पेड़ माँ के नाम'

# प्रदेश में लगाए जा रहे हैं 37 करोड़ पौधे

## मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में किया पौधा रोपण

**अयोध्या (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश में आज सुबह 'एक पेड़ माँ के नाम' पौधरोपण महाभियान-2025 का शुभारंभ हो गया। एक पेड़ मां के नाम थीम पर प्रदेश में आज 37 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बाराबंकी में पौधरोपण किया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में पौधरोपण अभियान जारी है। मिली जानकारी के अनुसार दोपहर 12 बजे तक उत्तर प्रदेश में 17.57 करोड़ पौधों को रोपा गया।

उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नया इतिहास रच दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज से 'पौधारोपण महाभियान-2025' का आगाज़ हो गया। अयोध्या धाम में मुख्यमंत्री ने स्वयं पौधरोपण कर इस महाअभियान की शुरुआत की, जिसका लक्ष्य एक ही दिन में 37 करोड़ पौधों का रोपण है।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी ने कहा कि प्रकृति के प्रति अपने

कर्तव्य को निभाने का समय है। हर नागरिक अपनी मां या प्रियजन के नाम पर एक पौधा जरूर लगाए। उन्होंने बताया कि पौधारोपण सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या पहुंचने के बाद सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन किए। हनुमंतलला को श्रद्धा निवेदित करने के बाद हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत और अन्य संतों से मुलाकात की। हनुमानगढ़ी के बाद मुख्यमंत्री योगी राम मंदिर पहुंचे और रामलला के दर्शन किए। इसके बाद रामजन्मभूमि में चल रहे अंतिम चरण के निर्माण कार्यों की (शेष पृष्ठ-3 पर)

# गौतमबुद्धनगर में बड़े स्तर पर लगाए गए पौधे

## 6 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत भाजपाइयों ने किया सामूहिक पौधारोपण

**नोएडा /ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के तहत आज उत्तर प्रदेश में आज 37 करोड़ पौधे लगाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पर्यावरण की दिशा में यह नया रिकॉर्ड है। गौतमबुद्धनगर में भी बृहद स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है।

महाभियान के तहत आज उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत राज्यमंत्री तथा प्रभारी मंत्री सोमेन्द्र तोमर ने सेक्टर-43 ग्रीन बेल्ट में पौधारोपण किया। इस मौके पर उनके साथ सांसद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने भी पौधारोपण किया। पौधारोपण अभियान में जिलाधिकारी मनीष वर्मा, भूपेश चौधरी, विनोद शर्मा, ओमवीर अवाना, (शेष पृष्ठ-3 पर)

# एनएमआरसी के 38 कर्मचारी पदोन्नत

## प्रबंध निदेशक व कार्यकारी निदेशक को किया सम्मानित

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएमआरसी) ने शेष 38 कर्मचारियों की पदोन्नति कर दी है। गत माह 432 कर्मचारियों की पदोन्नति की गई थी। यह जानकारी महाप्रबंधक (वित्त/ एचआर) अनुपमा परमार ने दी है। उन्होंने बताया कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

# घरेलू गैस सिलेंडर से चार मंजिला इमारत में लगी आग

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-87 स्थित नयागांव में बीती रात्रि एक चार मंजिला इमारत में घरेलू गैस सिलेंडर में रिसाव से आग लग गई। सिलेंडर फटने से लगी आग ने थोड़ी ही (शेष पृष्ठ-3 पर)

# चोरी की बाइक पर निकला बदमाश, मुठभेड़ में लंगड़ा

**नोएडा (चेतना मंच)।** आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से बाइक पर घूम रहे बदमाश की थाना सेक्टर 49 पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। इसके पास से तमंचा कारतूस व चोरी की स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई है। पकड़े गए बदमाश पर चोरी व लूट के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। नोएडा जोन के एडीसीपी (शेष पृष्ठ-3 पर)

# रेकी कर घर में चोरी करने वाले गिरोह से मुठभेड़

## पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल, दो कॉम्बिंग के दौरान पकड़े

**नोएडा (चेतना मंच)।** रेकी करने के बाद घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अंतर राज्ययीय चोर गिरोह के तीन बदमाशों को थाना सेक्टर-20 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि दो बदमाशों को पुलिस ने कांबिंग के दौरान दबोच लिया।

नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर-20 प्रभारी डीपी शुक्ल पुलिस टीम के साथ डीएलएफ मॉल के निकट (शेष पृष्ठ-3 पर)

# गुजरात में नदी पर बना पुल टूटा, 9 की मौत

**वड़ोदरा (एजेंसी)।** गुजरात में महिसागर नदी पर बने ब्रिज का एक हिस्सा भरभराकर आज सुबह गिर गया। इस दौरान कई वाहन नदी में जा गिरे। हादसे में 9 लोगों की मौत की खबर है जबकि कई लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

यह ब्रिज 43 साल पुराना था। वडोदरा-आणंद को जोड़ने वाला यह गंभीरा ब्रिज उस समय गिर गया, जब भारी ट्रैफिक था। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक ट्रक आधे-टूटे पुल पर लटका नजर आ रहा है. फिलहाल

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना आज सुबह 8.30 बजे के आसपास की है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

# गोल्फ कोर्स के लिए अधिग्रहण होगी 2.2 हेक्टेयर जमीन

## जमीन के लिए जिलाधिकारी ने जारी की अधिसूचना, लोगों से मांगी आपत्तियां

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स में 2.2261 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण धारा-11 के तहत किया जाएगा। इसके लिए जिला कलेक्टर की ओर से प्रारंभिक अधिसूचना जारी कर दी है। 60 दिनों तक आपत्तियां मांगी गई है। इसके बाद जमीन का अधिग्रहण कर लिया जाएगा। ये जमीन नोएडा के कामबख्शपुर गांव की है। जिसमें करीब 11 खसरे शामिल है। तमाम प्रयासों के बाद भी किसानों ने जमीन नहीं दी। इसलिए अब धारा-11 के जरिए जमीन ली जा रही है।

दरअसल ये नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स 113 एकड़ में किया जा रहा है। इसी हिस्से में ये जमीन है। किसान के साथ कई बार की बैठक होने के बाद भी वो सहमत नहीं हुए। ऐसे में कलेक्टर की ओर से धार-11 की कार्यवाही की गई। जमीन मिल जाने के बाद गोल्फ कोर्स का पूरा निर्माण किया जा सकेगा। हालांकि गोल्फ कोर्स का निर्माण कर रही कंपनी को ब्लैक लिस्ट किया जा रहा है। क्योंकि सीईओ के निरिक्षण के दौरान मिला था कि जिस कंपनी को निर्माण का काम आवंटित किया गया था उसने काम बंद कर रखा है।

आरएफपी जारी कर नई कंपनी का चयन किया जाएगा। वर्तमान में इसका 65 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है। कामबख्शपुर की जमीन नहीं मिलने से निर्माण में बाधा आ रही थी। ऐसे में धारा-11 के तहत खसरा नंबर- 74एम, 75एम,90एम,91एम,96एम,98एम ,99एम,101एम,106एम,107एम,2 95एम यानी कुल 2.2261 हेक्टेयर जमीन प्राधिकरण को मिलेगी।

# ...कहीं फिर घाटे का सौदा ना साबित हो सिटी बसों का संचालन!

## सिटी बसों के संचालन को गठित होगा एसपीवी, तीन नाम शासन को भेजे

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा करीब 500 ई-सिटी बसों को चलाने की योजना को अमली जामा पहनाया जा रहा है। इसके पूर्व चलाई गई सिटी बस योजना में हुए घाटे तथा अदालती खींचतान के बाद भी प्राधिकरण ने कोई सबक नहीं लिया है।

बता दें कि नोएडा से ग्रेटर नोएडा तक चल रही एनएमआरसी की एक्वा लाइन भी घाटे में चल रही है। ऐसे में बसों का घाटे में जाना तय है। शहर के लोगों का कहना है कि फिर सैकड़ों करोड़ का घाटा उठाने के लिए सिटी बस योजना शुरू की जा रही हैं। जो यह प्रतिधकरणों का तुगलकी कदम साबित होगा।

नोएडा, ग्रेटरनोएडा और यमुना क्षेत्र में 500 सिटी ई बस चलनी है। इसके लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) का गठन किया जा रहा है। यानी एक कंपनी का निर्माण किया जा रहा है। इस कंपनी का नाम क्या होगा। इसके लिए तीन नाम शासन को भेजे गए है। जिसमें पहला एनजीवाई अर्बन मोबिलिटी सर्विस, जीबीएन इजी राइट सर्विस और जीबीएन ग्रीन ट्रांसपोर्ट है। बहरहाल अंतिम फैसला शासन तय करेगा। इसके लिए

### साल में बस चलेगी 72 हजार किमी

ये प्रोजेक्ट 675 करोड़ का है। इसमें कंपनी को ई बस , फास्ट चार्जर (240 किलोवॉट), प्लांट , इक्यूपमेंट टूल्स और डिपो मैनटेनेंस के लिए है। कंपनी को 12 साल तक बसों का संचालन करना होगा। कंपनी को सालाना प्रति बस 72000 किमी की रनिंग करनी होगी। बताया गया कि इस टेंडर के जरिए ग्रॉस कास्ट कांट्रेक्ट (जीसीसी) मॉडल बस आपरेटर का सिलेक्शन किया गया है। दोनों कैटेगरी के बस के लिए आवेदन करने वाली कंपनी को 12 मीटर एसी बस के लिए 1.75 करोड़ और 9 मीटर के लिए 1.25 करोड़ ईएमडी जमा करनी होगी।

### सलाहकार कंपनी करेगी सर्वे

इस बसों के लिए नोएडा के सेक्टर-82 और 90 में डिपो बने है। यहीं पर ई-बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। बसो के लिए कैसा स्ट्रक्चर होना चाहिए और बस स्टैंड कहा कहा बने इसके लिए सलाहकार कंपनी का चयन किया जाएगा। प्राधिकरण सात सलाहकार कंपनियों को लैटर भेज रहा है। जिसमें डिम्स, यूमटीसी, क्रिजिम, सीआईआरटी, राइट्स, सीआरआरआई, आईआईटी दिल्ली है। इनमें किसी एक को सलाहकार के रुप में नियुक्त किया जाएगा।

ये बस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अलावा जनपद के 25 रुटों पर चलेंगी। इसमें से 300 बस नोएडा , 100 बस ग्रेटरनोएडा और 100 बस यीडा में चलेंगी। बसों का संचालन जीसीसी मॉडल किया जाएगा। इसके लिए दो कंपनियों का चयन किया गया है। पहली ट्रेवल टाइम मोबिलिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ये 9 मीटर लंबी बस 54.90 रुपए प्रतिकिमी की दर से चलाएगी।

दूसरी डेलबस मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ये 12 मीटर लंबी बस 67.99 रुपए प्रतिकिमी की दर से बस चलाएगी। बसो के संचालन के लिए नोएडा , ग्रेटरनोएडा और यीडा के बीच एसपीवी का गठन 48 फीसदी, 26 फीसदी और 26 फीसदी के इक्विटी योगदान के साथ होगा या इसमें कमी या बढ़ोतरी की जा सकती है। 12 मीटर स्टैंडर्ड फ्लोर की 250 और 9 मीटर की स्टैंडर्ड फ्लोर की 250 ई बस शामिल है।

गठित की जाने वाली एसपीवी में नोएडा ट्रैफिक सेल (एनटीसी) के अलावा तीनों प्राधिकरण के सीईओ डायरेक्टर और सात सब्सक्राइबर होंगे। सात सब्सक्राइबर में तीनों प्राधिकरण के एक-एक एसीईओ को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा एक एफसी भी होंगे। एक बार एसपीवी का गठन होने के बाद पहली बोर्ड में बाकी स्टॉफ की नियुक्ति की जाएगी। जिसके बाद शहर में 500 ई बसों का संचालन होगा।

# आतंकियों का निशाना

एक बार फिर पंजाब देश-विदेश से संचालित आपराधिक गैंगों और आतंकवादियों के निशाने पर आ गया है। संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम-खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य में गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा में खतरनाक ढंग से वृद्धि देखी जा रही है। अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या और मोगा में अभिनेत्री तानिया के डॉक्टर पिता की उनके क्लीनिक में गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने इस बात को उजागर किया कि संगठित आपराधिक नेटवर्क कितनी आसानी से काम कर रहे हैं। हमलावरों द्वारा सार्वजनिक रूप से मरीज बनकर डाक्टर को गोली का निशाना बनाना आपराधिक दुस्साहस को ही उजागर करता है। जो बताता है कि अपराधियों में कानून व पुलिस का खौफ नजर नहीं आता। यह समाज वैज्ञानिकों के लिये भी गंभीर मंथन का विषय है कि राज्य का समाज इस गहरी अस्वस्थता का शिकार क्यों है। निश्चित रूप से समाज में आर्थिक विसंगतियां और सामाजिक विद्रूपताएं अपराध की राह खोल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, नशे की लत, अशांत बचपन, गरीबी, विषैली राजनीति और रातों-रात अमीर बनने की लालसा कई पंजाबी युवाओं को अपराध की अंधी गली की ओर धकेल रही है। ऐसा भी नहीं है कि बेरोजगारी व अन्य सामाजिक विसंगतियां देश के अन्य राज्यों में नहीं हैं। नशा एक राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है। सवाल ये कि हमारा शासन-प्रशासन इन अपराधों से किस तरह निबटता है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा में गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। निस्संदेह, अपराध का रास्ता कई युवाओं को आकर्षित करता है, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि इस राह से गुजरने के बाद मुख्यधारा में लौटना असंभव है। अपराधी फिर कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन को राज्य में उन सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की सख्त जरूरत है, जो अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन विभागीय काली भेड़ों की भी सख्त निगरानी की जरूरत है जो अपराधियों के अपवित्र गठबंधन में मददगार होती हैं। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां और मुठभेड़ें की हैं, लेकिन ये महज एक प्रतिक्रियात्मक कदम मात्र है। इस बड़े संकट से निपटने के लिये एक निरंतर, व्यवस्थित व कारगर रणनीति बनाने की जरूरत है। वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत बनाने की दरकार है। इसके साथ ही शिक्षा प्रयासों का विस्तार करने, पुनर्वास और न्यायिक प्रक्रियाओं को भी तेज करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त केंद्र की एनआईए जैसी एजेंसियों के साथ तालमेल से राज्य की एजेंसियों को अपराधियों पर शिकंजा कसने में मदद भी मिल सकती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पंजाब में अपराधियों व आतंकवादियों का गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रह गया है। यह न केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप ले चुका है, बल्कि आधुनिक तकनीक व हथियारों की मदद से मारक साबित हो रहा है। इससे बड़ा संकट यह भी है कि ये अपराध वैचारिक रूप से अस्थिर भी हैं। निस्संदेह,यह एक बड़ी चुनौती है और इससे निबटने में जितनी देरी होगी, पंजाब में स्थितियां सामान्य बनाने में उतनी मुश्किल होती जाएगी। अपराधियों से निपटने के लिये मजबूत खुफिया तंत्र और जनसहयोग कारगर सिद्ध हो सकता है।

# रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वे चराचरमय ( चराचर में व्याप्त ) होते हुए ही सबसे रहित हैं और विरक्त हैं ( उनकी कहीं आसक्ति नहीं है ), वे प्रेम से प्रकट होते हैं, जैसे अग्नि। ( अग्नि अव्यक्त रूप से सर्वत्र व्याप्त है, परन्तु जहाँ उसके लिए अरणिमन्थनादि साधन किए जाते हैं, वहाँ वह प्रकट होती है। इसी प्रकार सर्वत्र व्याप्त भगवान भी प्रेम से प्रकट होते हैं। ) मेरी बात सबको प्रिय लगी। ब्रह्माजी ने साधु-साधु कहकर बड़ाई की॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**दो0-सुनि बिरंचि मन हरष तन पुलकि नयन बह नीर।**
**अस्तुति करत जोरि कर सावधान मतिधीर॥**

मेरी बात सुनकर ब्रह्माजी के मन में बड़ा हर्ष हुआ, उनका तन पुलकित हो गया और नेत्रों से (प्रेम के) आँसू बहने लगे। तब वे धीरबुद्धि ब्रह्माजी सावधान होकर हाथ जोड़कर स्तुति करने लगे॥

**जय जय सुरनायक जन सुखदायक प्रनतपाल भगवंता।**
**गो द्विज हितकारी जय असुरारी सिंधुसुता प्रिय कंता॥**
**पालन सुर धरनी अद्भुत करनी मरम न जानइ कोई।**
**जो सहज कृपाला दीनदयाला करउ अनुग्रह सोई॥**

हे देवताओं के स्वामी, सेवकों को सुख देने वाले, शरणागत की रक्षा करने वाले भगवान! आपकी जय हो! जय हो!! हे गो-ब्राह्मणों का हित करने वाले, असुरों का विनाश करने वाले, समुद्र की कन्या (श्री लक्ष्मीजी) के प्रिय स्वामी! आपकी जय हो! हे देवता और पृथ्वी का पालन करने वाले! आपकी लीला अद्भुत है, उसका भेद कोई नहीं जानता। ऐसे जो स्वभाव से ही कृपालु और दीनदयालु हैं, वे ही हम पर कृपा करें॥

**( क्रमशः... )**

# अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म !

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्वालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं।

कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भड़का। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है।

और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है %न्यू अग्रवाल पनीर भंडार।% इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान %लालाजी पनीर भंडार% के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं।

पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का %संगम शुद्ध शाकाहारी होटल% बन गया %सलीम ढाबा।% %मां भवानी जूस कार्नर% का नाम हो गया %फहीम जूस केंद्र।% %टी प्वाइंट% का नाम हो गया %अहमद टी स्टाल।% ऐसे ही %नीलम स्वीट्स% का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। %अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स% का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के %चीतल ग्रैंड% के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे %जनता वैष्णो ढाबा% का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना %गणपति% ढाबा बेच दिया।

**असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं।**

एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है।

अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मज़बूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मर्ज़ी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से ख़रीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है।

बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके।

वैसे भी ये मसला हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको रास्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है!

**- डॉ. आशीष वशिष्ठ**
**( स्वतंत्र पत्रकार )**

# विकास के हेलीकाप्टर (व्यंग्य)

हेलीकाप्टर वहीँ जा सकता है जहां हवाई जहाज नहीं जा सकता। स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ ने इंसान के दिमाग पर कब्ज़ा कर लिया है इसलिए विकास के हेलीकाप्टर कहीं भी जाने को तैयार हैं जिससे विकास चाहने वाले बहुत खुश हैं। उनका धंधा चमक रहा है। राजनीति उनकी ख़ास दोस्त हैं, इसलिए सिर्फ पैसे की शक्ति, हस्ती और मस्ती है। बस एक बार मिली, दूसरों की ज़िंदगी ज़रा सस्ती है। तभी तो निडर होकर बेहद दुर्गम, पर्यावरण की दृष्टि से अति संवेदनशील घाटी में, हर ढाई मिनट में एक उड़ान भरी जा रही। थोड़ा सा हिसाब किताब कर लें तो बारह घंटे में तीन सौ चार उड़ानें। ग्यारह हज़ार फुट ऊपर, संकरी घाटी का रोमांच दिलाने के लिए, बारह साल में दस हादसे देखने वाली हमारी लोकप्रिय व्यवस्था, अनुशासन और धार्मिक श्रद्धा मौन रहने के सिवाए और क्या कर सकती है।

विकास के नाम पर पर्यटन की इतनी आफत के सम्बन्ध में सरकार की अनुमति तो कागज़ का पुर्ज़ा है। यह पुर्ज़ा फिट हो जाने पर यह सिर्फ धार्मिक यात्रा नहीं रह जाती बल्कि यात्रा का व्यवसाय हो जाती है। अगर हेलीकाप्टर की लुभावनी, डरावनी, संगीतमय आवाज़ से मिटटी सरक रही है तो इसमें मिटटी की ही प्राकृतिक गलती मानी जाएगी। दुर्लभ वन्य जीव, पक्षियों की लुप्त होती प्रजातियों से धर्म और पर्यटन कभी कुछ नहीं लेता और न ही देता। हालांकि वे हमारी पौराणिक दुनिया का ज़रूरी हिस्सा हैं। क्या भगवान् ने अब कण कण में बसना छोड़ दिया है। कहीं पढ़ा था, कर्म ही धर्म है अब तो कर्म हुए धर्म ने, पर्यटन की अनुचित, असुरक्षित और अप्रशंसनीय इच्छाएं पैदा कर दी हैं। बाज़ार तो हर इच्छा का खुली आर्थिकी से स्वागत करता है।

अब तो पर्यटन का कर्म और धर्म यही हो गया है। सुरक्षा प्रबंधों को कहीं भी दफना दिया जाता है। एयर ट्राफिक टावर कंट्रोल की कोटेशनें फ़ाइल में रह जाती हैं। अधिकांश सिस्टम बेहोश पड़े होते हैं। व्यवस्थाओं की संगठित गर्दन छुडाने के लिए मुआवजा है। बाज़ार का चरित्र तो राजनीति से मिलता जुलता होता है। बेचारे पर्यावरण की

बाज़ार क्यूं सुनेगा, आज तक सुनी है क्या। कहीं इस सोच को मान्यता तो नहीं मिलती जा रही कि धार्मिक कार्य करने वाले को यदि व्यवस्था की कमियों के कारण या प्राकृतिक गलती के कारण शरीर छोड़ना पड़ रहा है तो वह मोक्ष प्राप्त करने के लिए अधिकृत होगा।

कुछ जगहों पर सिर्फ प्रसिद्ध, विशेष और धनवान लोगों को ही जाने की इजाज़त होनी चाहिए। आम आदमी के लिए तो किसी भी जगह की प्रतिकृति काम चला सकती है। इंसान को समझाना हमेशा मुश्किल रहा। फिर ऐसा करना बाज़ार ने और मुश्किल बना दिया है। राजनीति भी अपनी टांग अड़ाकर रखना चाहती है। उसने भी तो सहानुभूति पूर्वक संवेदना देने के लिए कुछ लोग चुनने होते हैं। ऐसे लोग विकास के हेलीकाप्टर में सवार होते हैं। उचित तरीके से कुछ नहीं करना चाहते। उनके जीवन का नियंत्रण गैर अनुशासित लोगों के हाथ में होता है। विकास के हेलीकाप्टर कहीं भी उड़ना और उतरना चाहते हैं लेकिन जब टकराकर, भटककर, फंसकर गिरते हैं तो विनाश का मलबा हो जाते हैं और मोक्ष मिलना मुश्किल हो जाता है।

**- संतोष उत्सुक**

# राशिफल

**आषाढ़ माह शुक्ल पक्ष चतुर्दशी** | **(विक्रम संवत् 2082)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
भाग्य साथ देगा। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। पहले से बेहतर समय होगा। प्रेम, संतान व व्यापार अच्छा रहेगा।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं। किसी भी तरह की जहां दिक्कत दिखती हो, वहां आगे नहीं बढ़ें।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
आनंददायक जीवन गुजारेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान भी अच्छा होगा। व्यापार भी अच्छा होगा।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
शत्रु मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार अच्छा है।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य ठीक ठाक।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कोई उत्सव संभव है। लेकिन गृहकलह भी संभव है।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
सितारों की तरह चमकेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। प्रेम, संतान भी अच्छा।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)**
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम, संतान ठीक है।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
आय के नए स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का भी योग बनेगा।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। राजनीतिक लाभ होगा

# भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया केन्द्रीय मंत्री का स्वागत

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जीरो पॉइंट ग्रेटर नोएडा में जेवर विधानसभा में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत फरीदाबाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कॉरिडोर पर 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' पौधारोपण अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का भव्य स्वागत किया गया।

इस मौके पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर कर्मवीर आर्य वीरेन्द्र भाटी अरुण प्रधान बलराज भाटी गीता सागर राजेश शर्मा देवेन्द्र बैसला महेश शर्मा मनोज भाटी मनोज प्रधान ओमकार भाटी अर्पित तिवारी अमित शर्मा संजय चौहान देवेन्द्र शर्मा आदि जिला इकाई व मण्डल के पदाधिकारी कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में स्वागत के अवसर पर उपस्थित रहे।

# कांवड़ियों का जत्था गौमुख के लिए रवाना

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** क्रांतिकारी राजा राव उमराव सिंह भाटी के ऐतिहासिक गांव-कठेहरा से गौमुख गंगोत्री से पैदल मार्ग होते हुए शिव भोले की कावड़ में गंगा जल लेने के लिए पैदल यात्रा का रवाना हुआ। कावड़िया गौमुख गंगोत्री से 10 जुलाई को कावड़ में गंगाजल लेकर 23 जुलाई को पावन पर्व शिव रात्रि के दिन कठेहरा गांव के शिव मंदिर में शिवलिंग पर गंगा जल अभिषेक करके पूजा अर्चना करेंगे। सभी कावड़ियों के (गुरु) कैलाश भाटी के साथ मनीष भाटी बी.डी.सी,मनोज भाटी,पवन भाटी,शोभित भाटी,सतपाल भाटी,एडवोकेट देवेंद्र भाटी,प्रदीप भाटी,दीपांशु भाटी,आकाश भाटी,दीपांशु गुर्जर,भोलू भाटी सभी भोलो को गांव कठेहरा निवासियों ने बुजुर्गों माता बहनों ने आशीर्वाद दिया।

# विधायक ने किया पौधारोपण

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज ग्रेटर नोएडा के ईटा वन में दादरी के विधायक तेजपाल सिंह नागर ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाये।

इस अवसर पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ बी. लक्ष्मी, ओएसडी गुंजा, डीजीएम ए.के. जैन, एजीएम रामाधीश पांडेय, उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक प्रेम प्रकाश मिश्रा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# अधिकारी किसानों को परेशान ना करें : भाटी

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** भारतीय किसान यूनियन (भानू) के राष्ट्रीय सचिव सुंदर भाटी ने कहा कि प्राधिकरण के अधिकारी किसानों को परेशान करने का काम बंद करें। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के अफसर किसानों की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने की बजाय किसानों को चक्कर कटवाने का काम करते हैं उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने रवैया में बदलाव लाएं नहीं ले तो हम यूनियन के लोग किसानों के साथ मिलकर धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रदेश एवं केंद्र सरकार किसानों को अन्नदाता के नाम से संबोधित करती है वहीं सरकार के मंत्र पत्थर किसने की बात सुनने को राजी नहीं है उन्होंने कहा कि किसान अपनी समस्याओं को लेकर प्राधिकरण एवं जिला कलेक्टर में तैनात अधिकारियों का चक्कर काफी है। करते रहते हैं लेकिन समस्या का समाधान करना तो दूर की बात है अधिकारी किसानों से मिलना भी उचित नहीं समझते। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राधिकरण में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर शीघ्रातिशीघ्र भारतीय किसान यूनियन भानू के कार्यकर्ता बड़ा आंदोलन करेंगे।

# शिक्षकों ने दिया धरना

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय नेतृत्व के आह्वान पर जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एक विशाल धरना आयोजित किया गया। धरने की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी एवं मंच का संचालन जिला मंत्री गजन भाटी ने किया।

धरना विद्यालय मर्ज होने, प्रधानाध्यापक विहीन विधालय,सरप्लस अध्यापक के विरोध में तथा पुरानी पेंशन, पदोन्नति,कैशलेस चिकित्सा,चयन वेतनमान ,समय परिवर्तन आदि मुख्य माँगो के लिए सेंकड़ों अध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य सभी मुख्य वक्ताओं ने सरकार की नीति और नियत पर संदेह किया।

मण्डल अध्यक्ष मेघराज भाटी ने कहा कि हम एक रणनीति के अनुसार प्रत्येक प्रतिनिधि से मिलकर अपना पक्ष रखा। शिक्षक साथियों को एकजुट रहने के लिए कहा।

जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने कहा कि सरकार की नीति सही नहीं है। गरीब बच्चों को शिक्षा नहीं देना चाहती। हम आगामी रणनीति पर विचार कर रहे है।

जिला मंत्री गजन भाटी ने बताया कि यह धरना सम्पूर्ण प्रदेश के प्रत्येक जनपद में आयोजित किया गया है। प्रदेश में लगभग लाखों शिक्षक आज धरने में रहा। गौतमबुद्धनगर नगर में भी लगभग 1000 शिक्षक ने धरने में हिस्सा लिया है। इससे स्पस्ट है कि प्रत्येक जनपद का शिक्षक उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के साथ है। हम सरकार की अव्यावहारिक नीति के विरोध में है। ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार को दिया है और हमें आश्वस्त किया कि ज्ञापन के माध्यम से हमारे पक्ष को माननीय मुख्यमंत्री तक भेजा जाएगा।

धरने में समस्त जिला, ब्लॉक, संघर्ष समिति की कार्यकारिणी, तहसील प्रभारी सहप्रभारी, माध्यमिक शिक्षक संघ कार्यकारिणी सहित लगभग 1000 अध्यापक/अध्यापिकाएँ उपस्थित थे।

# नंगला चरणदास गाँव का बुरा हाल

## बजबजाती नालियां, मौन हुए अफसर

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नंगला चरणदास गाँव की गली नम्बर-6, 7, 8 की नालियां बजबजा रही हैं और अधिकारी मौन हैं।

बताया जाता है कि बरसात से पहले नालियों की साफ-सफाई की जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण की होती है, लेकिन नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों ने नंगला चरण दास की किसी भी नाली की सफाई नहीं की जिससे बरसात का पानी नालियों में भर गया और वह पानी लोगों के घरों में जा रहा है। गांव के निवासी तेजवीर शर्मा ने बताया कि इस मामले की शिकायत कई बार नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि नालियों से निकलने वाली दुर्गंध से आसपास के रहने वाले लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। आखिर नोएडा प्राधिकरण के जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या के प्रति उदासीन क्यों हैं? एक ओर नालियों, गलियों की सफाई के नाम पर करोड़ों रूपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती है। अब ग्रामीण अपनी समस्या को लेकर जाएं तो कहां जाएं। उनकी कोई सुनने वाला नहीं है।

# तीन महीने में ही भरभरा कर गिर गई दीवार

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** लाखों रुपए खर्च होने के बाद 3 महीने में ही पार्क की दीवार ढह गई। बताते चलें कि सेक्टर ओमिक्रोन थर्ड की सर्विस रोड के किनारे स्थित पार्कों के रखरखाव के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा 130 मीटर लंबे रोड पर चारदीवारी करवाई गई थी, लेकिन वह चारदीवारी मात्र 3 महीने में ही पहली बारिश में भरभरा कर गिर गई। लोगों का आरोप है कि ठेकेदार ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं दिया और इसका खामियाजा अब सेक्टरवासी भुगत रहे हैं।

ओमिक्रोन थर्ड के पार्कों को सुरक्षित रखने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सिविल विभाग ने टेंडर जारी किया था और टेंडर लेने वाले ठेकेदार ने अपना काम पूरा कर वहां से चला गया। जैसे ही पहली बारिश हुई, पूरी दीवार ज़मीनदोज़ हो गई। जब इस संबंध में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सिविल विभाग के प्रबंधक ए.के. सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो बात नहीं हो पाई। लोगों ने आरोप लगाया है कि यह दीवार कमीशनखोरी की भेंट चढ़ गई।


**उत्तर मध्य रेलवे**

निविदा सूचना संख्या : ELG-09-J07-2025-26
दिनांक : 07.07.2025
ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य), आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु केवल ऑन लाईन (E-Tendering) द्वारा खुली निविदा आमन्त्रित की जाती है।

टेन्डर संख्या : ELG-09-J07-2025-26

कार्य की अनुमानित लागत : Rs. 998401.55

कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि : (ए) आईडीएच में मौजूदा अवकाश गृह के नवीनीकरण के संबंध में विद् युतीकरण कार्य, एजीसी में अधिकारी विश्राम गृह में अधीनस्थ विश्राम गृह (जलापूर्ति में सुधार सहित) (बी) ईदगाह स्टेशन पर टीआरडी डिपो में पुरानी क्षतिग्रस्त इमारत के नवीनीकरण के संबंध में विद्युतीकरण कार्य।
कार्य पूर्ण करने की अवधि : 08 माह

पूरी जानकारी एवं टेन्डर में भाग लेने हेतु Indian Railways Website www.ireps.gov.in देखें। टेंडर्स केवल बेव पोर्टल Indian Railways Website www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे तक दिनांक 05.08.2025 तक टेन्डर डाल सकते हैं। 1185/25 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in


## पृष्ठ एक के शेष....

**प्रदेश में लगाए...**

प्रगति से रुबरु हुए। इस दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के सभी मंत्री 75 जिलों में पौधारोपण कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने भी अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण किया।

वहीं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मेरठ और ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में पौधरोपण किया। इस अभियान में 26 विभागों और 25 करोड़ नागरिकों की सहभागिता रहेगी। लखनऊ मंडल में सर्वाधिक पौधे लगेंगे। वन, वन्यजीव व पर्यावरण विभाग मिलकर सर्वाधिक 14 करोड़ से अधिक पौधे लगाएंगे। सभी कार्यालय, विद्यालय व अन्य संस्थाएं आधे दिन केवल पौधरोपण कार्य में सहयोग देंगी।

**गौतमबुद्धनगर में बड़े...**

मनोज चौहान, राहुल शर्मा, वन एवं जलवायु परिवहन के महानिदेशक व विशेष सचिव सुशील कुमार अवस्थी, प्रभागीय वनाधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, मुख्य किसान अधिकारी विद्यानाथ शुल्क आदि मौजूद थे।

भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा आज जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत नोएडा महानगर के सभी आठों मंडलों के शक्ति केंद्रों एवं बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। उधर पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने भी सेक्टर-34 में पौधारोपण किया।

इस अभियान में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विभिन्न मंडलों में लगाए गए पौधों में पीपल, नीम, आम, अमरूद, तुलसी, अर्जुन जैसे औषधीय एवं छायादार वृक्षों को प्राथमिकता दी गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि भाजपा महानगर द्वारा चलाए जा रहे इस जनसरोकार अभियान को सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं महिला मोर्चा का भी भरपूर सहयोग मिला। आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज़ गति से महानगर के प्रत्येक क्षेत्र में चलाया जाएगा। विशेष अभियान के तहत आज नोएडा सेक्टर-34 स्थित बी-9 सोसाइटी के पार्क में पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पुर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने वृक्षारोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

इस अवसर पर भाजपा नोएडा महानगर के महाराणा प्रताप मंडल के समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं के साथ सहभागिता कर यह संकल्प लिया कि हर पेड़ सिर्फ हरियाली नहीं, माँ के वात्सल्य और संरक्षण का प्रतीक बनेगा।

कार्यक्रम में अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, भूपेश चौधरी, मनोज सिंह, अर्पित मिश्रा, अशोक मिश्रा, रामनिवास यादव,उज्जवल सिंह, रामकिशन यादव,राहुल शर्मा, गौतम शर्मा, दीनबंधु कुशवाहा, शशिधर उपाध्याय, मनीष तिवारी, सत्यनारायण महावार, नीरज चौधरी, प्रदीप चौहान इत्यादि अपने अपने मंडल में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

**गुजरात में नदी पर...**

पुल टूटने की वजह से दो ट्रक और एक पिकअप वैन सहित चार वाहन महिसागर नदी में गिर गए। तीन लोगों को रेस्क्यू किया गया। पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर हैं। फायर ब्रिगेड की टीमें भी मौके पर हैं। इस हादसे की वजह से क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ है। पुलिस ने ट्रैफिक को डाइवर्ट कर दिया है। इस ब्रिज को आमतौर पर सुसाइड प्वॉइन्ट के तौर पर भी जाना जाता है। बताया जाता है कि पिछले साल ही इस पुल की मरम्मत की गई थी जिसके लिए 212 करोड़ रूपये का बजट पास किया गया था।

**घरेलू गैस सिलेंडर ...**

देर में भीषण रूप धारण कर लिया, जिस कारण इमारत में रहने वाले लोगों में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने हाइड्रोलिक प्लेटफार्म तथा एडवांस्ड रेस्क्यू टेंडर का प्रयोग कर आग पर काबू पाया और इमारत में फंसे लोगों को सकुशल बाहर निकाला।

चीफ फायर ऑफिसर (सीएफओ) प्रदीप कुमार ने बताया कि बीती रात्रि नया गांव में रहने वाले कुछ लोग बाइक से नजदीक के फायर स्टेशन पहुंचे। लोगों ने फायर कर्मियों को आग लगने की सूचना देते हुए बताया कि चार मंजिला इमारत में करीब सौ लोग फंसे हुए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत ही मौके पर 6 फायर टेंडर को रवाना किया गया। इसके अलावा हाइड्रोलिक प्लेटफार्म तथा एडवांस्ड रेस्क्यू टेंडर को भी मौके पर भेजा गया। इमारत के प्रथम तल पर सिलेंडर में रिसाव होने की वजह से आग लगी हुई थी। सिलेंडर फटने की वजह से आग प्रथम स्थल पर फैल गई थी। आग की वजह से प्रथम तल सहित इमारत में रहने वाले लोग जान बचाने के लिए छत पर पहुंच गए थे। प्रथम तल सहित पूरी इमारत में धुआं भरा हुआ था। सीएफओ ने बताया कि फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और छत पर फंसे लोगों को सीढ़ियों की मदद से नीचे उतारा। थोड़ी ही देर में फायर कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया और इमारत में फंसे सभी लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया। उन्होंने बताया कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई है।

सीएफओ ने बताया कि विभाग द्वारा समय-समय पर लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है। लोगों को बताया जा रहा है कि आग लगने पर वह तुरंत अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन और फायर सर्विस स्टेशन पर सूचना दें जिससे उन्हें तुरंत मदद मिल सके। नया गांव में आग लगने के बाद तुरंत ही कुछ लोग बाइक से नजदीक के फायर स्टेशन पहुंचे। सूचना के महज 5 मिनट के भीतर ही फायर टेंडर मौके पर पहुंच गए और एक बड़ी घटना होने से बच गई।

**एनएमआरसी के 38...**

155 मेंटेनर, 46 सीआरए, 155 एससी/टीओ, 105 जूनियर इंजीनियर, 3 ऑफिस असिस्टेंट, 5 एकाउंट असिस्टेंट तथा 1 डीजीएम (टेली) की पदोन्नति की गई है। जिसमें मेंटेनर को सीनियर मेंटेनर, सीआरए को सीनियर सीआरओ, एससी/टीओ को सीनियर एससी/टीओ, जूनियर इंजीनियर को अस्सिटेंट सेक्शन इंजीनियर ऑफिस असिस्टेंट को सीनियर ऑफिस असिस्टेंट, एकाउंट असिस्टेंट को सीनियर एकाउंटेंट तथा डीजीएम (टेली) को जेजीएम (टेली) बनाया गया है।

इस मौके पर पदोन्नति हुए कर्मचारियों ने एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम तथा कार्यकारी निदेशक महेन्द्र प्रसाद को पुष्प गुच्छ भेंट कर तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

**रेकी कर घर में चोरी ...**

नाले पर चैकिंग कर रहे थे। इस दौरान पुलिस टीम ने बिना नंबर की एक ब्रेजा कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर ब्रेजा कार सवार भागने लगे। शक होने पर पुलिस टीम ने कार का पीछा किया और सेक्टर 18 स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के समीप जंगल में घेर लिया। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जबकि उसके दो साथी फरार हो गए। पुलिस ने घायल बदमाश को दबोच लिया। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम अशरफ उर्फ अजय पुत्र शेर मोहम्मद निवासी ग्राम सलेमपुर थाना कुरावली जनपद मैनपुरी बताया। एडीसीपी बताया कि घायल अशरफ को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया और उसके साथियों की तलाश की गई। कांबिंग के दौरान अशरफ के दो साथी आरिफ उर्फ तस्लीम पुत्र शमशुद उर्फ समसुल खान निवासी व सलमान उर्फ आसिफ पुत्र आजाद खान निवासी ग्राम डुमरी थाना जैथरा जनपद एटा को गिरफ्तार कर लिया गया। इनके पास से एक-एक तमंचे, कारतूस, चोरी किए गए 45 हजार रुपए तथा चोरी करने के उपकरण बरामद हुए। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वह लोग दिन में कार से सेक्टर व कॉलोनियो में घूम कर घरों की रेकी करते थे। मकान को चिन्हित करने के बाद वह कार को घटनास्थल से एक या दो किलोमीटर पहले छोड़कर पैदल घूम कर अच्छी तरह से बंद पड़े मकान व आसपास की भौगोलिक स्थिति का जायजा लेते थे। मौका मिलने पर वह घरों में लगे ताले व कुंडी को तोड़कर घरों में चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते थे। ताला तोड़ने के बाद चंद मिनट में ही आरोपी घर में रखे मूल्यवान आभूषण व नगदी लेकर फरार हो जाते थे। पकड़े गए आरोपियों ने नोएडा दिल्ली क्षेत्र में चोरी करने की कई घटनाओ को अंजाम देना स्वीकार किया है। एडीसीपी ने बताया कि अशरफ उर्फ अजय पर दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा में 9, आरिफ उर्फ तस्लीम पर 8 तथा सलमान उर्फ आसिफ पर 7 मुकदमे विभिन्न थानों में पंजीकृत हैं।

**चोरी की बाइक पर...**

सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि थाना प्रभारी अनुज कुमार सैनी पुलिस टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान सेक्टर 76 की तरफ से आ रहे बाइक सवार को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार भाग निकला। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। खुद को पुलिस कर्मियों से घिरता देखकर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह सड़क पर गिर गया। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। तलाशी में बदमाश के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए। एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम सुशील कुमार उर्फ टेरा पुत्र विष्णु निवासी ग्राम यादनगर थाना कोतवाली हापुड़ जनपद हापुड़ बताया। वह हाल में बरौला गांव में किराए पर रह रहा है। उन्होंने बताया कि सुशील शातिर किस्म का चोर और लुटेरा है। वह चोरी की बाइक पर सवार होकर लूट व चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है।पकड़े गए सुशील ने बताया कि उसने करीब एक महीने पहले सेक्टर 75 से सुपर स्प्लेंडर बाइक चोरी की थी। इस बाइक को लेकर वह किसी घटना को अंजाम देने के इरादे से जा रहा था। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।


**दैनिक चेतना मंच**

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी ( मेंहदीपुर ) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर ( यू पी. ) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com



**उत्तर मध्य रेलवे**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मण्डल विद्युत अभियन्ता (क0वि0), उत्तर मध्य रेलवे, आगरा द्वारा खुली निविदा निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है।

| | |
|---|---|
| निविदा संख्याः AGCTRDT202513 | अनुमानित लागतः रु. 1,07,42,909.00/- |
| कार्य का नामः आगरा डिवीजन में 28 गेट्स लॉज पर एटी सप्लाई (10 केवीए) का प्रावधान। | |
| धरोहर राशिः रु. 2,03,700.00/- | कार्य पूर्ण करने की अवधिः 09 माह |

1. निविदा पत्र भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर देखा व भरा जा सकता है। 2. निविदा पत्र सिर्फ भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर दि. 29.07.2025 को 15:30 बजे तक भरा जा सकता है। 1188/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR



**उत्तर रेलवे**

निविदा सूचना
(ई-टेंडरिंग द्वारा)

| | |
|---|---|
| कार्य का नाम तथा स्थानः | दिल्ली डिवीज़न के DLI-RE सेक्शन पर बाउंड्री वॉल, एंटी क्रैश बैरियर और एलएचएस (LHS) के प्रावधान के दौरान एस एंड टी assets को स्थानांतरित करने से संबंधित एस एंड टी कार्य। |
| कार्य की अनुमानित लागत (₹): | Rs. 3,97,04,714.90/- |
| धरोहर राशि (₹): | Rs. 3,48,500.00/- |
| कार्यालय का पताः | वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055 |
| निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समयः | निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय 07.07.2025/ निविदा खुलने का दिनांक 29.07.2025 15:00 बजे तक |
| वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती हैः | उत्तर रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखे नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055 |

संख्याः 558-Sig-16-M-TENDER-1448 दिनांकः 07.07.2025 2046/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



**पूर्वोत्तर रेलवे**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टी.आर.एस./पूर्वोत्तर रेलवे, लोको शेड गोण्डा द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। क्र.सं.1- निविदा सूचना संख्या : LS-GD-2025-Loco_ Cleaning, कार्य का नामः "इलेक्ट्रिक लोको शेड-गोंडा में 24 महीने की अवधि के लिए 3-फेज और पारंपरिक इंजनों के रेडिएटर, फिल्टर, लोको बॉडी, लुकआउट ग्लास और विंडो ग्लास, ड्राइवर कैब, मशीन रूम, कॉरिडोर आदि की सफाई सहित इलेक्ट्रिक इंजनों की सफाई और ट्रिप शेड गोरखपुर और लखनऊ में ट्रिप शेड्यूल के दौरान होटल लोड फिल्टर की वॉशिंग, ब्लोइंग, सफाई", अनुमानित लागत (रू में): ₹ 30,83,057.41, निविदा की अवधिः 24 माह, अग्रिम धन राशि (रू मे): ₹ 61,700.00, क्र.सं.2- निविदा सूचना संख्याः LS-GD-25-Ovh-Aux-Motor-R, कार्य का नामः "गोंडा और गोरखपुर शेड के पारंपरिक और 3 फेज इलेक्ट्रिक लोको के सहायक मोटर्स की 2 वर्षों के लिए ओवरहालिंग।", अनुमानित लागत (रू में): ₹ 1,03,52,960.28, निविदा की अवधिः 24 माह, अग्रिम धन राशि (रू में): ₹ 2,01,800.00 । नोटः 1. ऑफर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 30/07/2025, 12:00 बजे । 2. इस ई-निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हताये तथा नियम एवं शर्तें, रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 3. निविदाकार, ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा से संबंधित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान मे लेना सुनिश्चित करे। समंविइं/टीआरएस
मुजाधि/विद्युत-81 लोको शेड गोण्डा

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

## खास खबर

### न्यूयॉर्क में सड़क हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में एक दर्दनाक सड़क हादसे में क्लीवलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे दो भारतीय छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा ईस्ट कोकैलिको टाउनशिप इलाके में हुआ। मृतकों की पहचान मानव पटेल (20) और सौरव प्रभाकर (23) के रूप में की गई है। दोनों छात्र भारत से उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका आए थे। लैंकेस्टर काउंटी के कोरोनर कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त सौरव प्रभाकर कार चला रहे थे। कार का संतुलन बिगड़ जाने से वह पहले एक पेड़ और फिर पुल से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। कार की अगली सीट पर बैठा एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे पास के ही एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इस हादसे पर न्यूयॉर्क स्थित भारतीय कांसुलेट ने गहरा दुख जताया है।

### नाबालिग का अपहरण कर ट्रेन में किया दुष्कर्म

**मुंबई।** महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने ने बताया कि इस युवक ने लड़की का अहपरण कर अकोला ले जाते हुए ट्रेन में उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की डोंबिवली इलाके के मनपाड़ा में आदिवली की रहने वाली है। जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने बताया कि 20 साल के आरोपी ने 30 जून को लड़की को ट्रेन से अकोला ले गया और रास्ते में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि अकोला में रहने वाले युवक के माता-पिता ने उसे और लड़की को अपने घर के अंदर नहीं आने दिया, इसके बाद वह उसे अकोला रेलवे स्टेशन पर छोड़कर घर चला गया। अकोला जीआरपी ने लड़की को स्टेशन पर देखा तो उससे पूछताछ की, जिसके बाद उसने उन्हें अपराध के बारे में बताया। जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज की और मामले को स्थानांतरित कर दिया।

### बदमाशों ने व्यापारी को मारी गोली

**सूरत।** गुजरात के सूरत में लूटपाट करते समय चार हथियारबंद लुटेरों ने एक सराफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी और एक को घायल कर दिया। डीएसपी ने बताया कि घटना सोमवार की रात को हुई इस वारदात के बाद तीन लुटेरे भागने में कामयाब रहे जबकि एक को लोगों ने पीछा कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सोमवार रात चार हथियारबंद लुटेरे सचिन इलाके में श्रीनाथ ज्वैलर्स शोरूम में घुसे। जब शोरूम के मालिक आशीष राजपारा ने लुटेरों के रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने राजपारा पर गोली चला दीं। राजपारा के सीने में दो गोलियां लगीं जिससे वह वहीं गिर गए जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही है ताकि आरोपियों का पता लगाया जा सके वहीं पकड़े गए एक आरोपी से पूछताछ कर रही है।

# ट्रेन की चपेट में आई स्कूली वैन दो छात्रों समेत तीन की मौत

एजेंसी

**चेन्नई।** तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले के सेम्मनकुप्पम में मंगलवार सुबह एक स्कूल वैन के ट्रेन की चपेट में आने से दो छात्रों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में छह छात्र समेत सात लोग घायल बताए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, यह हादसा सुबह 7:45 बजे हुआ। स्कूली वैन रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही थी, तभी विलुप्पुरम-मयिलादुथुराई पैसेंजर ट्रेन ने वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वैन चालक और छह छात्र घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। घायल छात्रों को कुड्डालोर सरकारी

अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दुर्घटना में निमिलेश (12) और डी. चारुमति (16) नाम के दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि 55 वर्षीय अन्नादुरई नाम के एक व्यक्ति की टूटे हुए बिजली के तार के संपर्क में आने से मौत हो गई। हादसे की रेलवे अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मैं दुर्घटना में दो छात्रों की मृत्यु की दुखद खबर से स्तब्ध और दुखी हूं। मैं मृतक छात्रों के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने मुआवजे का ऐलान करते हुए आगे लिखा कि मैंने दुर्घटना में मारे गए बच्चों के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5-5 लाख रुपये एवं गंभीर रूप से घायल और उपचार करा रहे बच्चों को एक-एक लाख रुपये और मामूली रूप से घायल बच्चों को 50,000 रुपये देने का आदेश दिया है।

## करनाल में बारातियों की बस पर हमला, 7 घायल

एजेंसी

**करनाल ।** करनाल के मेरठ रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक बारातियों से भरी बस पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। यह बारात भोला माजरा गांव से मेरठ गई थी और लौटते समय करनाल स्थित शुगर मिल के पास बस रुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में सवार कुछ लोग पानी पीने और फ्रेश होने के लिए नीचे उतरे, जहां पास ही शराब के ठेके पर खड़े युवकों से हल्की कहासुनी हो गई। कहासुनी के कुछ देर बाद वही युवक दो बाइकों पर सवार होकर वापस आए और बस को रोक लिया। उन्होंने लाठी-डंडों, बिंडे और हथियारों से बस पर हमला कर दिया। बस के शीशे तोड़ दिए गए और अंदर बैठे बारातियों के साथ मारपीट कर लूटपाट की गई। इस हमले में कुल सात लोग घायल हो गए। दूल्हे के अनुसार उसके भाई की सोने की चैन छीन ली गई और हमलावरों ने हथियारों से हमला किया। गनीमत रही कि दूल्हा-दुल्हन की गाड़ी पीछे थी, जिससे वे हमले से बच गए। हालांकि, उन्हें भी थाने के बाहर कार्रवाई का इंतजार करना पड़ा। बस ड्राइवर ने बताया कि हमला देवीलाल चौक के पास हुआ और हमलावर करीब छह से सात की संख्या में थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जांच अधिकारी ने बताया कि शराब ठेके के पास हुई कहासुनी के बाद ही यह हमला हुआ।

## दिल्ली में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा के लिए मिलेगा सहेली स्मार्ट कार्ड

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिल्ली में महिलाओं को अब मुफ्त बस यात्रा के लिए सहेली स्मार्ट कार्ड मिलेगा। दिल्ली सरकार पिंक टिकट को बंद करके यह नई योजना लागू करने वाली है। 12 साल से अधिक उम्र की सभी लड़कियों, महिलाओं और ट्रांसजेंडर को स्मार्ट कार्ड से मुफ्त बस सफर का लाभ मिलेगा। यह स्मार्ट कार्ड नाम और फोटोयुक्त होगा। एक अधिकारी ने बताया कि यह स्मार्ट कार्ड नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के तहत जारी होगा। इससे डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा की जा सकेगी। परिवहन के अन्य साधनों के लिए कार्ड को रिचार्ज और टॉप-अप करना होगा। सहेली स्मार्ट कार्ड के लिए शर्तें: आवेदक महिला/ट्रांसजेंडर को दिल्ली का निवासी होना चाहिए। इसके साथ ही आयु 12 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। वहीं दिल्ली के पते का वैध प्रमाण होना चाहिए। डीटीसी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। बैंक का चयन करना होगा और चुनी गई बैंक शाखा में पूर्ण केवाईसी सत्यापन पूरा करना होगा। मामले से जुड़े अधिकारी के अनुसार, स्मार्ट कार्ड प्राप्त करने के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, दिल्ली में निवास का प्रमाण, पासपोर्ट आकार की फोटो और बैंक-विशिष्ट केवाईसी मानदंडों के तहत अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। केवाईसी पूरी होने के बाद बैंक आवेदक के पंजीकृत पते पर यह स्मार्ट कार्ड भेज देगा।

## टेक्सास में विनाशकारी बाढ़ से अब तक 104 मौतें

- समर कैंप के 28 बच्चे भी बहे

एजेंसी

**टेक्सास ।** स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 4 जुलाई के अमेरिका के टेक्सास के केर काउंटी में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ से अब तक 104 लोगों की मौतों की पु?ष्टि हो चुकी है, जिनमें 28 बच्चे भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा क्षति मशहूर समर कैंप कैंप मिस्टिक में हुई, जहां 27 बच्चे और काउंसलर अपने केबिन में सो रहे थे जब बाढ़ ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। ग्वाडालूप नदी के किनारे बसे कैंपों को बाढ़ का खतरा नहीं था, लेकिन शुक्रवार तड़के अचानक आई बाढ़ ने सैंकड़ों लोगों को बहा दिया। कई लोग पेड़ों से चिपके अपनी जान बचाने में सफल रहे। इलाके में बिखरे पेड़ों, टूटी नावों और अन्य मलबे के बीच परिवारों की यादें भी दबी हुई नजर आईं। प्रशासन ने कई इलाकों में पहले ही फ्लैश फ्लड वार्निंग जारी कर रखी थी, लेकिन मोबाइल नेटवर्क की कमी के कारण कई समर कैंपों को समय पर चेतावनी नहीं मिल सकी। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और स्थानीय प्रशासन, स्वयंसेवक नदी में बहते शवों की तलाश कर रहे हैं। अभी भी तीन दर्जन से अधिक लोग लापता हैं और मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने केर काउंटी को बड़ी आपदा घोषित किया है और संभवतः वहां जाकर स्थिति का जायजा लेंगे। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने भी राहत कार्यों को प्राथमिकता दी है।

### लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर हिमांशु सूद गिरफ्तार

**अमृतसर ।** पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की टारगेट किलिंग की साजिश को नाकाम कर शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर की टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर हिमांशु सूद को गिरफ्तार किया है। हिमांशु कपूरथला जिले के फगवाड़ा का निवासी है। शुरूआती जांच में पता चला है कि हिमांशु, दुबई में बैठे लॉरेंस बिश्नोई के करीबी नामित शर्मा के निदेशों पर काम कर रहा था। हाल ही में हिमांशु और उसके साथियों ने शर्मा के कहने पर हरिद्वार में एक होटल कारोबारी पर गोली चलाई थी।

## भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ से मैत्री पुल बहा, 18 लोग लापता

एजेंसी

**काठमांडू ।** नेपाल और चीन सीमा पर भारी बारिश के कारण भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ से मैत्री पुल बह गया है। घटना में 18 लोग लापता हो गए हैं, जिसमें 12 नेपाली और 6 चीनी नागरिक शामिल हैं। मानसून की शुरूआत के बाद नेपाल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जिससे नदियाँ उफान पर हैं। इसी कड़ी में, नेपाल और चीन को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मैत्री सेतु भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ की भेंट चढ़ गया। यह पुल नेपाल के रसुवा जिले को चीन से जोड़ता था। अधिकारियों के अनुसार, पुल बीती रात करीब 3:15 बजे पानी के तेज बहाव में बह गया। राजधानी काठमांडू से करीब 120 किलोमीटर दूर स्थित पुल के बहने के साथ ही 18 लोग भी लापता हो गए हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, नेपाली सेना और पुलिस मिलकर इन लापता लोगों की तलाश कर रही है। रसुवा के मुख्य जिला अधिकारी अरुण पौडेल ने बताया कि नदी में आई बाढ़ से नेपाल को काफी नुकसान हुआ है। प्रशासन ने आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए हैं। भोटेकोशी नदी चीन के रास्ते नेपाल में प्रवेश करती है।

### असम में आया 4.2 का भूकंप

**गुवाहाटी।** असम में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह झटके सुबह 9:22 बजे आए। भूकंप से हिलने लगे पंखे और घर का सामान। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई। हालांकि अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप का केंद्र मांजा असम में बताया जा रहा है। झटके के बाद लोग घबराकर घरों से बाहर आ गए। एक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक यह मध्यम श्रेणी का भूकंप था, लेकिन स्थानीय स्तर पर दहशत का माहौल पैदा हो गया। बता दें इस साल फरवरी में असम के गुवाहाटी, नागांव और तेजपुर समेत कई इलाकों में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया था।

## इजरायल भी मांगने लगा ट्रंप के लिए नोबेल शांति पुरस्कार

एजेंसी

**वाशिंगटन।** वाइट हाउस में आयोजित एक निजी रात्रिभोज के दौरान नेतन्याहू ने ट्रंप को नोबेल पुरस्कार समिति को भेजा गया नामांकन पत्र सौंपा। इस अवसर पर नेतन्याहू ने ट्रंप की शांति स्थापना के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, वह एक के बाद एक देश और क्षेत्र में शांति स्थापित कर रहे हैं। वह यह सम्मान आपके लिए पूरी तरह से योग्य हैं। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, मैं आपको नोबेल पुरस्कार समिति को भेजा गया पत्र प्रस्तुत करना चाहता हूं। इसमें आपको शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है, जिसके आप हकदार हैं। नामांकन पत्र प्राप्त करने के बाद, ट्रंप ने जवाब दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह मुझे नहीं पता था- वाह, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। नामांकन पत्र प्राप्त करने के बाद ट्रंप ने आश्चर्य व्यक्त किया और नेतन्याहू का आभार जताया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए अप्रत्याशित था। खास तौर पर आपसे यह सुनना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। डिनर मीटिंग की शुरूआत में ट्रंप ने नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा की मेजबानी करना सम्मान की बात बताया और उन्हें पुराना दोस्त बताया और उनकी साझा सफलता की प्रशंसा की। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, बीबी (बेंजामिन नेतन्याहू) और सारा का हमारे साथ होना सम्मान की बात है। वे लंबे समय से मेरे दोस्त हैं और हमने साथ मिलकर बहुत बड़ी सफलता हासिल की है और मुझे लगता है कि भविष्य में यह और भी बड़ी सफलता होगी। नेतन्याहू ने ट्रंप के नेतृत्व को मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने विशेष रूप से ट्रंप द्वारा पिछले महीने ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों की अनुमति देने और अब्राहम समझौते जैसे ऐतिहासिक कदमों का उल्लेख किया। नेतन्याहू ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही कई बड़े अवसरों को साकार किया है। उन्होंने अब्राहम समझौते को संभव बनाया और अब वह एक के बाद एक क्षेत्र में शांति की नींव रख रहे हैं। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि ट्रंप का नेतृत्व न केवल इजरायलियों, बल्कि यहूदी समुदाय और दुनिया भर में उनके प्रशंसकों द्वारा सराहा जाता है।

### महिला ने कावड़ पर थूकने का लगाया आरोप

**मुजफ्फरनगर।** सावन का महीना शुरू होने वाला है भगवान शिव के भक्त कावड़ लेकर चलते हैं लेकिन काफी समय से कावड़ यात्रा को लेकर विवाद हो रहे हैं। कई बार कावड़ियों का उग्र व्यव्हार लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता है। यात्रा के दौरान कई अप्रिय घटनाओं के होने का संदेह होता है इसलिए सरकार कावड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम करती है। मुजफ्फरनगर के पुरकाजी कस्बे में एक महिला श्रद्धालु की कांवड़ पर थूकने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह कथित घटना सोमवार की है जब महिला हरिद्वार से गंगा जल लेकर घर लौट रही थी और पुरकाजी में आराम करने रुकी थी।

## हम फिलिस्तीनियों को बेहतर भविष्य देना चाहते हैं : नेतन्याहू

एजेंसी

**गाजा।** इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू इस समय अमेरिका दौरे पर हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर किया। इस दौरान नेतन्याहू ने ट्रंप को नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट भी किया, लेकिन इस दौरान एक और जरूरी मुद्दे पर बातचीत की और वो था फिलिस्तीनियों का विस्थापन। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका और इजराइल फिलिस्तीनियों को अन्य देशों में बसाने के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हम फिलिस्तीनियों को बेहतर भविष्य देना चाहते हैं। ऐसे में गाजा के लोगों को पड़ोसी मुल्कों में रिलोकेट करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर फिलिस्तीनी गाजा में रहना चाहते हैं तो वे रुक सकते हैं लेकिन अगर वे रिलोकेट होना चाहते हैं तो उन्हें जाना चाहिए। हम इन लोगों के लिए ऐसे देश ढूंढना चाहते हैं, जहां इन्हें शिफ्ट करना चाहिए। हम ऐसे देश ढूंढ निकालने के करीब हैं। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल और अमेरिका ऐसे देशों पर विचार कर रहा है, जो फिलिस्तीनी नागरिकों को शरण देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने बताया कि सीरिया पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध हटाने से देश को फायदा पहुंचेगा। वहीं तेहरान पर लगे प्रतिबंध को भी हटाना चाहूंगा और देश के पुनर्निर्माण के लिए उन्हें एक मौका देना चाहूंगा। इससे पहले नेतन्याहू ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और मिडिल ईस्ट में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से अलग-अलग बात की।

## मिस्र का गीजा पिरामिड को लेकर नई खोज ने पुरानी आम धारणा को बदला

एजेंसी

**लंदन ।** दुनिया के सात प्राचीन अजूबों में शामिल मिस्र का गीजा पिरामिड फिर चर्चा में है। अब तक यह रहस्य बना हुआ था कि आखिर 4,500 साल पहले इतनी विशाल और सटीक संरचना को किसने और कैसे बनाई होगी। आम धारणा यह रही है कि इस फराओ के आदेश पर गुलामों ने वर्षों तक कड़ी मेहनत करके खड़ा किया था। लेकिन हाल ही में हुई एक अहम पुरातात्विक खोज ने इस परंपरागत सोच को पूरी तरह से खारिज किया है। मिस्र के मशहूर पुरातत्वविद् डॉ. जाही हवास और उनकी टीम ने गीजा के महान पिरामिड के भीतर और दक्षिण में स्थित क्षेत्रों में ऐसी कब्रों और अवशेषों की खोज की है, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस पिरामिड को गुलामों ने नहीं, बल्कि प्रशिक्षित, पेशेवर और वेतनभोगी कारीगरों ने तैयार किया था। पुरानी यूनानी कथाओं और धारणा के अनुसार, पिरामिड निर्माण में एक लाख गुलामों ने दशकों तक काम किया था। लेकिन डॉ. हवास की खोजों में पिरामिड के अंदर और दक्षिण में स्थित श्रमिकों की कब्रें मिली हैं। इन कब्रों में श्रमिकों की मूर्तियाँ, औजार और उनकी उपाधियों से जुड़े शिलालेख भी पाए गए हैं, जैसे पिरामिड के किनारे के पर्यवेक्षक और शिल्पकार, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि ये कुशल पेशेवर थे। डॉ. हवास की टीम ने इमेजिंग तकनीकों के द्वारा राजा के कक्ष के ऊपर स्थित संकीर्ण कक्षों की खोज की, जहां उन्हें प्राचीन लेखन और निर्माण से जुड़ी उपस्थिति मिली। उन्होंने बताया कि यदि पिरामिड गुलामों द्वारा बनाए गए होते, तब उनकी कब्रें इस स्मारक के आसपास कभी नहीं बनतीं। इससे यह सिद्ध होता है कि इन कारीगरों को सम्मानपूर्वक दफन किया गया था।

आज सेक्टर-130 की आंतरिक सड़कों एवं पार्क में आरडब्लूए उपाध्यक्ष अशोक चौहान एवं नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया। जिसमें बेल पत्थर, आंवला, अमरूद, नींबू और अशोक के पेड़ लगाए और सड़कों पर भी पेड़ लगाने का कार्य प्रगति पर है। इस अवसर पर देवेंद्र शर्मा लोकेश चौहान, सत्येंद्र गुर्जर, एडी माथुर,सचिन दुबे आदि व्यक्तियों ने भी पौधारोपण किया।

## 'शुक्रिया मुकेश' कार्यक्रम-30 अगस्त को

**नोएडा (चेतना मंच)।** नवरत्न फाउंडेशन द्वारा शुक्रिया मुकेश 2025 के 20 वें संस्करण में पार्श्व गायक मुकेश चंद्र माथुर को संगीतमई श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। 30 अगस्त को होने वाले इस कार्यक्रम में एनसीआर के कई धुरंधर गायक अपनी गायकी से सिनेमा के पार्श्व गायक मुकेश चंद्र माथुर को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रिया मुकेश 2025 के 20 वें संस्करण के तहत 30 अगस्त को सेक्टर 6 स्थित एनइए सभागार में एक संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के कई धुरंधर गायक अपनी गायकी से पार्श्व गायक मुकेश चंद्र माथुर को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि यूं तो सभी मुकेश चंद माथुर को उनके दर्द भरे नगमों के लिए आदर्श मानते आए हैं लेकिन उन्होंने रोमांचक, चुलबुले व अठखेली करते गीतों के गायन में भी अपना लोहा बखूबी मनवाया था। संगीत के क्षेत्र में उनकी अद्भुत उपलब्धि को नमन करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली एनसीआर के गायकों द्वारा रुमानी एकल व युगल गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह एक अविस्मरणीय संगीत संध्या होगी।

## अवैध निर्माण पर नजर रखेंगे दो लेखपाल

**नोएडा (चेतना मंच)।** न्यू नोएडा (डीएनजीआईआर) में अवैध निर्माण को रोकने के लिए प्राधिकरण ने दो लेखपालों को नियुक्त किया है। दोनों लेखपाल नोएडा के 20 और बुलंदशहर के 60 गांवों को देखेंगे। राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ समन्व्य बनाकर यहां अवैध निर्माण की गतिविधियों को चिन्हित करेंगे। साथ ही प्रत्येक सप्ताह नोएडा प्राधिकरण को अपनी रिपोर्ट देंगे। 4 जुलाई को इसे संबंधित एक कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है। शासन की ओर से डीएनजीआईआर को विकसित करने के लिए 29 जनवरी 2021 को जमीन 80 गांवों की जमीन के लिए अधिसूचना जारी की गई थी। जिसके बाद यहां निर्माण के लिए नोएडा प्राधिकरण की मंजूरी की आवश्यकता है। बिना अनुमति के बनाया गया निर्माण अवैध माना जाएगा। डीएनजीआईआर शहर करीब 209.11 वर्गकिमी में बसाया जाना है। प्राधिकरण ने बताया कि यहां अवैध निर्माण को रोकने के लिए लेखपाल के तौर पर राजेश कुमार शर्मा व मनोज कुमार दुबे को नियुक्त किया है। राजेश कुमार शर्मा को बुलंदशहर के 30 गांव और गौतमबुद्धनगर के 10 गांवों की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा मनोज कुमार दुबे बुलंदशिर के 30 और नोएडा के 10 गांव दिए गए है। इनका काम इन गांवों में हो रहे अवैध निर्माण को चिन्हित करना और प्रत्येक सप्ताह रिपोर्ट तैयार कर प्राधिकरण को सौंपना है।

**खास खबर**

## एंजेल दी मारिया की घर वापसी

**ब्यूनस आयर्स।** अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर एंजेल दी मारिया ने लगभग दो दशकों बाद अपने घरेलू क्लब रोसारियो सेंट्रल में वापसी कर अपने सपने को साकार किया है। 37 वर्षीय दी मारिया को सोमवार को रोसारियो शहर के एक होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आधिकारिक रूप से क्लब के नए खिलाड़ी के रूप में पेश किया गया। भावुक दी मारिया ने कहा, यह मेरे लिए बेहद खूबसूरत पल है। यह वो सपना है जो मैं लंबे समय से देख रहा था। मैं पहले आना चाहता था, लेकिन संभव नहीं हो पाया। आज मैं यहां हूं, अपने परिवार के साथ, खुश हूं। दी मारिया ने पुर्तगाली क्लब बेनफिका के साथ अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद फ्री ट्रांसफर के तहत रोसारियो सेंट्रल से एक साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें विस्तार का विकल्प भी शामिल है। गौरतलब है कि दी मारिया ने अपने पेशेवर करियर की शुरूआत 2005 में रोसारियो सेंट्रल से की थी। इसके बाद उन्होंने बेनफिका, रियल मैड्रिड, मैनचेस्टर यूनाइटेड, पेरिस सेंट जर्मेन और जुवेंटस जैसे दिग्गज यूरोपीय क्लबों के लिए खेला।

## टीम को बेहतर बना रहे गंभीर : योगराज

**चंडीगढ़।** पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम के कप्तान शुभमन गिल की प्रशंसा की है। योगराज ने कहा कि अब गंभीर के आलोचकों को जवाब मिल गया होगा। उन्हें ये मानना होगा कि कोच टीम को बेहतर ही बना रहे हैं। टीम ने जिस प्रकार का प्रदर्शन करते हुए विदेश में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। उससे ये बात साबित होती है। योगराज ने ये बातें दूसरे टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम को मिली 336 रनों की बड़ी जीत के बाद कही हैं। वहीं पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बाद भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। उस हार के बाद गंभीर पर कई लोगों ने निशाना साधा था। योगराज ने कहा, खिलाड़ियों के खिलाफ बातें करना भी गलत है जबकि देखा जाये तो खिलाड़ी लगातार बेहतर हो रहे होंगे। खिलाड़ी निखर रहे हैं और अच्छा खेल रहे हैं।

## शिनवारी के निधन पर आईसीसी ने जताया शोक

**दुबई।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के अनुभवी अंपायर बिस्मिल्लाह जान शिनवारी के 41 वर्ष की आयु में निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है बिस्मिल्लाह जान शिनवारी आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ अंपायर्स के सदस्य थे और उन्होंने अपने करियर में 25 पुरुष वनडे और 21 पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग की थी। उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय दायित्व इस वर्ष फरवरी में ओमान के अल अमेरात में आयोजित आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 का हिस्सा था। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने उनके निधन पर दुख प्रकट करते हुए शोक संदेश में कहा, बिस्मिल्लाह एक प्रसिद्ध अंपायर थे जिन्हें खिलाड़ी, साथी अंपायर और अधिकारी सभी समान रूप से सम्मान देते थे। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सर्किट पर एक जाना-पहचाना चेहरा थे और उनके सामने एक लंबा करियर था। उन्होंने आगे कहा, क्रिकेट के लिए उनका योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है।

# इंग्लैंड के खिलाफ आज सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

एजेंसी

**मैनचेस्टर ।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां चौथे टी20 मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है। इस मैच में सभी की नजरें कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा पर रहेंगी। पिछले मैच में शेफाली और हरमनप्रीत बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे। वहीं स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर का लक्ष्य इस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। अब तक इन सभी ने अच्छा खेला है।

शेफाली टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं, ऐसे में वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगी। वहीं हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी करते हुए केवल एक रन ही बना सकी थी। वहीं उनकी जगह पिछले मैच में शामिल हरलीन ने 43 रन बनाये थे इस सीरीज में भारत की स्पिनरों एन श्री चरणी ने 8 विकेट और दीप्ति शर्मा ने 6 विकेट लिए हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी भी 4 विकेट लेकर अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है स्पिनर राधा यादव और तेज गेंदबाज अमनजोत को इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान इंग्लैंड को अगर सीरीज में बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में उसके सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले और डैनी व्याट-हॉज ने अर्धशतक लगाए थे पर अन्य बल्लेबाज विफल रहीं थीं। इसके साथ ही उसके गेंदबाजों को भी प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

## टीम को बुमराह का सामना करने तैयार रहना होगा : स्टोक्स

एजेंसी

**बर्मिंघम ।** इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने मना है कि अब तीसरे टेस्ट में उनकी टीम को जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी का सामना करने तैयार रहना होगा। बुमराह को दूसरे टेस्ट में आराम दिया गया था। इसके बाद भी मेजबान टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में अब स्टोक्स तीसरे टेस्ट में कोई कसर नहीं रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनके साथियों को लॉर्ड्स में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज की विविधता के लिए तैयार रहना होगा हालांकि उन्होंने स्वीकार किया है कि बुमराह जैसे गेंदबाजी नेट्स में नहीं की जा सकती है। इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में 336 रन से हार का सामना करना पड़ा थ। वहीं बुमराह 10 जुलाई से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हैं।

स्टोक्स ने इसी को लेकर कहा, हम एक-दूसरे के खिलाफ इतनी बार खेलते हैं जिससे आपको पता होता है कि आपका सामना किससे होगा इसलिए आप ट्रेनिंग के दौरान उसी को लेकर अभ्यास करते हैं। उन्होंने कहा, ह्यकोच और ट्रेनर के साथ आप जो कर सकते हैं उसे करने के प्रयास करें, क्रीज पर बाहर की तरफ से गेंदबाजी का सामना करें, उनके गेंदबाजी आक्रमण की तरह का अभ्यास करने का प्रयास करें पर ये भी ध्यान रहे कि किसी मैच में आपके सामने आने वाली चीजों को अभ्यास में दोहराना काफी कठिन होता है।

## विंबलडन : क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जैनिक सिनर

- डिमिट्रोव ने पहला सेट आसानी से जीतकर दर्शकों को चौंका दिया

एजेंसी

**लंदन।** विंबलडन टेनिस टूनार्मेंट में सोमवार को खेले गए मुकाबले में विश्व नंबर एक जैनिक सिनर क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए, जब बुल्गारिया के अनुभवी खिलाड़ी ग्रिगोर डिमिट्रोव चोट के चलते मैच से रिटायर हो गए। डिमिट्रोव ने शुरूआती दो सेटों में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में 6-3, 7-5, 2-2 की बढ़त बना ली थी, लेकिन फिर उन्हें पेक्टोरल (सीने की मांसपेशियों) में चोट

के कारण खेल बीच में ही छोड़ना पड़ा। सिनर, जिन्होंने सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मैच से पहले लगातार 36 गेम्स में अपनी सर्व नहीं गंवाई थी, उन्हें डिमिट्रोव ने पहले ही गेम में ब्रेक करते हुए 2-0 की बढ़त बना ली। 34 वर्षीय डिमिट्रोव ने पहला सेट आसानी से जीतकर दर्शकों को चौंका दिया।

दूसरे सेट के दौरान एक गिरावट में सिनर की दाहिनी कोहनी में चोट लग गई, जिसके चलते उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया। हालांकि, डिमिट्रोव ने भी इस दौरान अपना एक सर्व गंवाया लेकिन फिर भी उन्होंने दूसरा सेट जीत लिया और मुकाबले में बढ़त बरकरार रखी। तीसरे सेट में स्कोर जब 2-2 पर था, तभी डिमिट्रोव सर्व करने के बाद अचानक गिर पड़े और दर्द में कराहते हुए कोर्ट पर लेट गए। वे अपने आंसू रोक नहीं पाए और अंततः उन्हें मैच छोड़ने का फैसला करना पड़ा। इस अप्रत्याशित मोड़ से सिनर को राहत मिली और वह विंबलडन 2025 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर गए।

## शारीरिक शोषण मामले में यश दयाल पर एफआईआर

एजेंसी

**गाजियाबाद ।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने वाले क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यश पर शादी का वादा कर धोखाधड़ी करने के साथ ही मानसिक और शारीरिक शोषण आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी है। यह एफआईआर कराने वाली पीड़िता का आरोप है कि यश ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया है। इस युवती ने यश के खिलाफ पिछले दिनों ऑनलाइन शिकायत की थी। वहीं यश दयाल के परिवार ने इसे साजिश बताया था। अब इस

मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई है। यश के खिलाफ इंदिरापुरम थाने में बीएनएस की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह गैरजमानती धारा है। वहीं अगर यश दयाल दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें 10 साल तक की सजा हो सकती है। पीड़ित युवती के अनुसार वह पांच साल पहले सोशल मीडिया के जरिए यश दयाल के संपर्क में आई थी। शुरूआती दोस्ती बाद में प्रेम में बदल गई। तब यश दयाल ने शादी का भरोसा दिलाया और दोनो लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान यश उसे कई जगहों पर ले गये जिसके सबूत भी पीड़िता ने पुलिस को सौंपे हैं।

## शुभमन ने बताया कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिलने का कारण

एजेंसी

**बर्मिंघम ।** चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को अब तक इंग्लैंड दौरे में खेलने का अवसर नहीं मिला है। कुलदीप को नहीं खिलाये जाने को लेकर कई सवाल भी उठते रहे हैं। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में जीत के साथ सीरीज में बराबरी की है। ऐसे में तीसरे टेस्ट में भी उनको जगह मिलने की संभावना नहीं है। वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का कहना है कि सभी लोग .कुलदीप यादव जैसे स्पिनर को अंतिम ग्यारह में रखना चाहते हैं पर लीड्स में जिस प्रकार से निचले क्रम के बल्लेबाज विफल हुए हैं। उसको देखते हुए बल्लेबाजों को मजबूत करने के लिए निचले क्रम पर स्पिनर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को रखा गया है। सुंदर बल्लेबाजी के साथ

ही अच्छी गेंदबाजी में करते हैं। वाशिंगटन ने जिस प्रकार पिछले मैच में बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया हैं उसके बाद उन्हें बाहर करना संभव नजर नहीं आता। . इसका कारण है कि भारतीय टीम लॉर्ड्स टेस्ट में भी पिछले मैच की रणनीति के साथ ही उतरेगी। शुभमन ने कहा कि कुलदीप जैसा गेंदबाज को बाहर रखना आसान नहीं होता पर वह वाशिंगटन को इसलिए शामिल करने के पक्ष में हैं क्योंकि उनके रहने से निचले क्रम को टीम की बल्लेबाजी मजबूत होती है।

## तेजी से बदलती है लोगों की धारणा : बिस्ला

**नई दिल्ली ।** कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व बल्लेबाज मनविंदर बिस्ला ने कहा है कि लोगों की धारणा स्कोर बोर्ड से भी ज्यादा तेजी से बदलती है। बिस्ला के अनुसार पहले टेस्ट में जो लोग टीम की हार के बाद आलोचना कर रहे थे। वहीं अब उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। पहले टेस्ट में टीम की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की जमकर आलोचना हुई। यहां तक कि बर्मिंघम टेस्ट मैच में मिली जीत से एक दिन पहले तक भी उनकी आलोचना हुई और कहा गया कि मेजबान टीम की आक्रामक रणनीति के कारण ही उन्होंने टीमी देर से घोषित की। लीड्स में जहां भारतीय टीम को 5 विकेट से हार मिली थी वहीं बर्मिंघम के एजबेस्टन में टीम को 336 रनों के बड़े अंतर से जीत मिली।

## डीपीएल महिला सीजन-2 के लिए टीमों का ऐलान

- टॉप खिलाड़ियों पर हुई बड़ी बोली

एजेंसी

**नई दिल्ली।** डीपीएल (दिल्ली प्रीमियर लीग) महिला सीजन-2 के लिए सेंट्रल दिल्ली क्वींस, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज.ने अपनी टीमों का गठन पूरा कर लिया है। इस सीजन में उभरती हुई और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला है। नीलामी में तनिषा सिंह पर 13 लाख रुपये की बोली लगाई गई। जबकि नजमा को 12.5 लाख रुपये, मोनिका को 10 लाख और पुर्वा सिवाच को 9.75 लाख रुपये की कीमत मिली। फ्रेंचाइज़ियों ने इन खिलाड़ियों की प्रतिभा और भविष्य की क्षमता को ध्यान में रखते हुए बड़ा निवेश किया

है। डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि ह्यहम हमारे लिए गर्व का क्षण है कि डीपीएल की शुरूआत से ही महिला संस्करण का आयोजन किया गया। इस बार हमने प्रतिभागिता का विस्तार किया है और घरेलू ढांचे को मजबूत किया है। हाल ही में आयोजित क्लब स्तर की प्रतियोगिता में 600 से अधिक लड़कियों ने भाग लिया- यह महिला क्रिकेट के लिए बड़ा कदम है। हमारा लक्ष्य भविष्य में और अधिक टीमें, खिलाड़ी और मैच जोड़ना है। उन्होंने कहा कि डीपीएल महिला सीजन-2 न केवल दिल्ली की महिला क्रिकेटरों को बड़ा मंच दे रहा है, बल्कि भविष्य की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्टार्स को भी निखारने का अवसर प्रदान कर रहा है। सेंट्रल दिल्ली क्वींस की टीम में दीक्षा शर्मा पहले से रिटेन हैं। नई खरीद के तौर पर ऑलराउंडर मोनिका पर दस लाख रुपये का खर्च किया गया। जबकि राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का उपयोग कर पारुणिका सिसोदिया (स्पिनर) को टीम में चुना ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने भारत को अनुभवी बल्लेबाज प्रिया पुनिया को रिटेन किया। नई खरीद के तौर पर ऑलराउंडर पुर्वा सिवाच और तेज गेंदबाज प्रज्ञा रावत को टीम से जोड़ा। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने उपासना यादव को रिटेन किया और नजमा को निलामी में बड़ी बोली के बाद आरटीएण के जरिए टीम में वापस लिया। टीम में बैलेंस और गहराई पर ध्यान दिया गया है? साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज. ने स्टार बल्लेबाज श्वेता सहरावत को रिटेन किया और तनिषा सिंह को 13 लाख रुपये तथा एकता भदाना को निलामी में खरीदा।

## विराट की तरह ही हैं शुभमन के आंकड़े

एजेंसी

**मुम्बई ।** भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की तुलना पदार्पण के बाद से ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से होती रही है। प्रशंसकों का मानना है कि वह विराट जैसे बल्लेबाज हैं। शुभमन ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरूआती दो टेस्ट मैचों में शतक लगाये हैं। पहली बार इंग्लैंड में सीरीज खेल रहे गिल इस समय कोहली की तरह ही प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। शुभमन ने अब तक 139 अंतरराष्ट्रीय पारियां खेली हैं जिसमें उनके आंकडे विराट के आसपास हैं। 25 साल के शुभमन ने 139 इंटरनेशनल पारियों के बाद

5831 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 47.02 रन रहा है। उन्होंने 17 शतक लगाये हैं। वहीं कोहली ने अपनी शुरूआती 139 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 45.98 के औसत से 17 शतक के साथ ही 5610 रन बनाए थे। इससे अंदाजा होता है कि दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा है। रनों के मामले में शुभमन का आंकड़ा कोहली से कही बेहतर है जबकि दोनों के शतक बराबर हैं। बल्लेबाजी औसत में भी इनमें ज्यादा अंतर नहीं है। शुभमन ने टेस्ट में 63 पारी खेली हैं जबकि एकदिवसीय में 55 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 पारी उनके नाम हैं। विराट ने अपने लंबे करियर में कई उतार चढ़ा देखे हैं। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से कई बार टीम इंडिया को बड़ी जीत दिलाई थी। .विराट को एक आक्रामक कप्तान के रूप में जाना जाता है। वहीं दूसरे टेस्ट में शुभमन के दोहरे शतक के बाद कोहली ने उनकी जमकर तारीफ की थी। इससे माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में शुभमन भी विराट की तरह ही जीत दिलाएंगे। शुभमन गिल अपनी कप्तानी में इंग्लैंड में शानदार बल्लेबाजी के साथ साथ विश्व रिकॉर्ड बना रहे हैं।

## 54 साल के हुए गांगुली, प्रशंसकों ने दी बधाई

एजेंसी

**कोलकाता ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली आज 54 साल के हो गये हैं। इस अवसर पर उन्हें प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। गांगुली ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने भारतीय क्रिकेट को बदलकर रख दिया। गांगुली ने ही टीम को आक्रामक बनाकर लड़ना सिखाया। इसी का परिणाम है कि अब टीम विदेशी धरती पर भी किसी भी प्रकार के हालात में निडर होकर खेलती है। गांगुली को जब साल 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। तब टीम फिक्सिंग के आरोपों से जूझ रही थी। 83 की विश्व विजेता होने के बावजूद कमजोर

टीमों में गिनी जाती थी। विदेशों में जीत तो भारतीय टीम के लिए सपना हुआ करती थी। तभी गांगुली कप्तानी संभालते हैं और अपनी नेतृत्व क्षमता से भारतीय क्रिकेट का चेहरा ही बदल देते हैं। गांगुली को बंगाल टाइगर, दादा, प्रिंस ऑफ कोलकाता जैसे नामों से भी जाना जाता है। गांगुली की सबसे बड़ी खूबी खिलाड़ियों की परख और उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना थी। कप्तानी संभालने के बाद गांगुली ने उन खिलाड़ियों को अवसर दिया जिन्होंने आगे चलकर भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर पहुंचाया। इनमें स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह, जहीर खान, आशीष नेहरा, गौतम गंभीर, महेन्द्र सिंह धोनी और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम हैं। इन सभी को अवसर देने में गांगुली की अहम भूमिका थी। गांगुली की कप्तानी में भारत ने निडर होक क्रिकेट खेलना शुरू किया। इस वजह से टीम को टेस्ट और एकदिवसीय दोनों ही प्रारुपों में बड़ी सफलता मिली

# फिडे ग्रैंड स्विस 2025 की बढ़ी इनामी राशि

- भारत के शीर्ष खिलाड़ी गुकेश और अर्जुन शामिल होंगे

एजेंसी

**नई दिल्ली।** उज्बेकिस्तान के ऐतिहासिक शहर समरकंद में 3 से 16 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे फिडे ग्रैंड स्विस 2025 में इस बार न केवल 625,000 अमेरिकी डॉलर की बढ़ी हुई इनामी राशि दांव पर होगी, बल्कि फिडे कैंडिडेट्स 2026 के लिए सीधा प्रवेश भी खिलाड़ियों को मिलेगा। इस क्लासिकल शतरंज टूनार्मेंट में भारत के दो दिग्गज डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी, ओपन वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी शामिल होंगे। फिडे ग्रैंड स्विस टूनार्मेंट हर दो साल में आयोजित होता है और यह विश्व चैम्पियनशिप चक्र का एक

महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस बार टूनार्मेंट के ओपन सेक्शन में इनामी राशि को 460,000 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 625,000 डॉलर और महिला वर्ग में 140,000 से 230,000 डॉलर कर दिया गया है। साथ ही, ओपन और महिला दोनों वर्गों के शीर्ष दो खिलाड़ी 2026 के कैंडिडेट्स टूनार्मेंट के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे। हालांकि, फिडे ने इस बार एक अहम नियम शामिल किया है, जिसके तहत केवल वे खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिन्होंने जुलाई 2024 से जून 2025 के बीच कम से कम 30 क्लासिकल रेटेड गेम्स खेले हों। इस नियम के चलते पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन, डिंग लीरेन और विश्वनाथन आनंद जैसे दिग्गज टूनार्मेंट से बाहर रहेंगे। भारत के डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी जहां शीर्ष दो स्थानों पर रहेंगे, वहीं आर. प्रज्ञानानंद को उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बाद चौथा स्थान मिला है। युवा फ्रांसीसी सितारे अलीरेजा फिरौजा (विश्व रैंक 8) पांचवें स्थान पर हैं। ओपन वर्ग के शीर्ष 10 में कई अनुभवी दिग्गज इयान नेपोमनियाचची (दो बार के विश्व चैलेंजर), अनीश गिरी, शखरियार मामेद्यारोव, लेवोन एरोनियन, व्लादिमीर फेडोसेव भी शामिल है। यह एक 11-राउंड का क्लासिकल स्विस सिस्टम टूनार्मेंट है। 2025 संस्करण में कुल 172 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसमें ओपन वर्ग में 116 और महिला वर्ग में 56 खिलाड़ी शामिल हैं। पिछली बार भारत के विदित गुजराती और आर वैशाली ने क्रमशः ओपन और महिला वर्ग में खिताब जीता था। ओपन वर्ग में 101 खिलाड़ियों ने रेटिंग के आधार पर क्वालीफाई किया है। शेष स्थान महाद्वीपीय प्रतिनिधियों, फिडे वाइल्डकार्ड और स्थानीय आयोजकों द्वारा नामित खिलाड़ियों को दिए गए हैं।

इस संस्करण में कई युवा सितारे भी शीर्ष 20 में जगह बनाए हुए हैं, जिनमें हैंस नीमन (22), विंसेंट कीमर (20), जावोखिर सिंडारोव (19), निहाल सरीन (20), अवॉन्डर लियांग (22) शामिल हैं। वहीं, पूर्व विश्व चैलेंजर बोरिस गेलफैंड और पूर्व महिला चैलेंजर अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना को वाइल्डकार्ड के जरिए ओपन वर्ग में आमंत्रित किया गया है। महिला ग्रैंड स्विस में 44 खिलाड़ियों ने रेटिंग के आधार पर प्रवेश पाया है, जबकि 12 अन्य को महाद्वीपीय कोटा, फिडे वाइल्डकार्ड और आयोजकों की सिफारिश से शामिल किया जाएगा। टैन झोंगयी टूनार्मेंट की शीर्ष वरीय होंगी।

## हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन

एजेंसी

**रांची।** 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप 2025 का आयोजन हुआ । मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मोराबादी, में मंगलवार को 06 मैच खेले गए और एक मैच वाक ओवर रहा, मेजबान झारखंड और हरियाणा के बीच खेले गए मैच 01-01 गोल की बराबरी पर रहा।

## नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी...

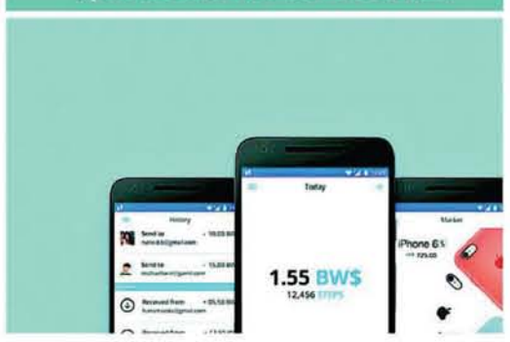


**एक नई** डिजिटल क्रिप्टो करेंसी लॉन्च की गई है जिससे इंसान पैदल चलकर कमाई कर सकेगा। इस करेंसी का नाम है बिटवॉकिंग डॉलर, जो डिजिटल क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की तरह ही कंप्यूटर से पैदा होगी। स्मार्ट फोन यूजर फोन पर बिटवॉकिंग ऐप की मदद से रिकॉर्ड करेगा कि वो कितने कदम पैदल चला है। फिर कदमों की गिनती के आधार पर प्रति दस हजार कदमों पर यूजर को लगभग एक बिटवॉक डॉलर मिलेगा। शुरू शुरू में, यूजर को कमाई गई करेंसी ऑनलाइन स्टोर में खर्च करने या उससे नकद कमाने का मौका मिलेगा। संस्थापकों का मानना है यह तकनीक विकासशील और गरीब देशों में फिटनेस उद्योग के विकास में खासी मददगार हो सकती है। इनके अनुमान के अनुसार बिटवॉकिंग योजना गरीब देशों के नागरिकों के जीवन को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। प्रोजेक्ट की शुरुआत करने वाले निसान बहार और फ्रेंकी इम्बेसी को इस प्रोजेक्ट के लिए जापानी निवेशकों से शुरुआती दस मिलियन डॉलर की मदद मिली है। जापानी मदद की बदौलत वे ऐसे बैंक और करेंसी की शुरुआत करेंगे जो चले गए कदमों और किसी भी तरह के हस्तांतरण को सत्यापित करेगा। इसके अलावा कुछ जूते बनाने वाली कंपनियां इस करेंसी को अपनाने के लिए अपनी सहमति दे चुकी हैं। वैसे पैदल चलकर बिटवॉकिंग डॉलर कमाने का यह कोई नया प्रयोग नहीं है। कई स्टार्ट-अप समूह, सेहत बनाओ और कमाई करो का विचार पहले लागू कर चुके हैं, लेकिन गति को सही सही मापने में उन्हें सफलता नहीं मिली। क्रिप्टो करेंसी एक ऐसी डिजिटल या वर्चुअल करेंसी है, जिसमें सुरक्षा के लिए क्रिप्?टोग्राफी का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया की सबसे पहली क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन है, जो 2009 में लॉन्च हुई थी।

## नाम विदेशी लेकिन देसी ब्रांड

**कई** ब्रांड ऐसे हैं जिनका नाम सुनकर ऐसा लगता है कि ये विदेशी हैं, लेकिन कई मामलों में ऐसा नहीं है। पीटर इंग्लैंड का नाम तो सुना ही होगा और कई बार टीवी पर ऐड भी देखा होगा। नाम सुनकर यह एक विदेशी कपड़ों का ब्रांड लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। पीटर इंग्लैंड वास्तव में आदित्य बिरला ग्रुप की मदुरा गार्मेंट्स का हिस्सा है। अमेरिकन स्वान का नाम सुना ही होगा। शायद आपको लगा हो कि ये विदेशी कपड़ो का ब्रांड है। जी नहीं! अमेरिकन स्वान भारतीय ब्रांड है। इसे 2013 में अनुराग राजपाल ने लांच किया था। लुई फिलिप भी आदित्य बिरला का हिस्सा है। 1989 में इसकी शुरुआत हुई। एलन सोली आदित्य बिरला ग्रुप का ब्रांड है। वेन ह्यूजन भी आदित्य बिरला ग्रुप से जुड़ा हुआ है। वेस्टसाइड टाटा ग्रुप का एक डिविजन है। फ्लाइंग मशीन की शुरुआत अरविंद ग्रुप ने की। मांटे कार्लो ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड का हिस्सा है। द मिलानो साहिल मालिक चलाते हैं।

## बढ़ती उम्र को रोकें....

**रोजमर्रा** की भागदौड़ और जिम्मेदारियों को पूरा करने के चक्कर में युवाओं की उम्र कब बढ़ने लगती है पता ही नहीं चलता। लेकिन चेहरे पर आती झुर्रियों को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाकर इससे बचा जा सकता है। खूब पानी पिएं। पानी पीने से त्वचा नम होती है और इससे झुर्रियां दूर होती हैं। पूरी नींद लें। दिन में कम से कम 7 से 8 घंटें सोएं। माइश्चराइजर का इस्तेमाल करते रहें। सिर्फ सर्दियों में ही नहीं गर्मीयों में भी त्वचा पर क्रीम लगाते रहें। सेहतमंद खाना खाएं। ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियां और फल खाएं। इसके अलावा सूखे मेवे भी फायदेमंद हैं। तनाव से खुद को दूर रखें।

## आनलाइन लगेगी छात्रों की हाजिरी

**उत्तर** प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों की हाजिरी अब ऑनलाइन लगेगी। इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इस योजना के तहत शिक्षकों को अब सुबह विद्यार्थियों की उपस्थिति के बाद अपने मोबाइल से बेसिक शिक्षा परिषद को मैसेज भेजना होगा, जिससे विभाग की सभी योजनाओं में होने वाले धन के दुरुपयोग को रोका जा सके। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों को उनके क्लास रूम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय के रजिस्टर में हाजिरी करने के साथ ही परिषद को अपने मोबाइल से एक मैसेज भी भेजना होगा। इस मैसेज के पहुंचते ही परिषद के सॉफ्टवेयर में विद्यार्थियों की हाजिरी लग जाएगी।

फैशन और ट्रैंड के चलते आजकल लड़के लंबी दाढ़ी और मूंछे रखने लग गए हैं। हालांकि दाढ़ी और मूंछ में लड़के बहुत ही स्मार्ट दिखाई देते हैं लेकिन यह बात भी सामने आई है कि दाढ़ी रखना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है। हालांकि कुछ शोध बताते है कि लड़कियां दाढ़ी रखने वाले लड़कों को कम ही पसंद करती हैं। इसके समर्थन में वे कारण गिनाए गए हैं कि क्यों लड़कियों को दाढ़ी वाले लड़के पसंद नहीं हैं। तो हम यहां जानेंगे दाढ़ी के कितने फायदे हैं और कितने नुकसान।

# दाढ़ी से फायदा या नुकसान...?

**मूंछ** और दाढ़ी रखने वाले युवाओं की पर्सनैलिटी को लोग दो तरीके से जज करते हैं। कुछ लोगों की नजरों में जहां वे हैंडसम और डैशिंग कहलाते हैं, तो वहीं कुछ लोगों को वे आलसी नजर आते हैं। प्रोफेशनल लुक में भी कई बार दाढ़ी और मूंछ प्रॉब्लम खड़ी करती है। लेकिन बहुत ही कम लोग इस बात से वाकिफ होंगे कि चेहरे पर दाढ़ी कई प्रकार की समस्याओं से दूर रखती है। हालांकि, कई बार ज्यादा दाढ़ी इरिटेट भी करती है, लेकिन समय-समय पर इसकी ट्रिमिंग कराकर इरिटेशन से बचा जा सकता है।

### स्किन कैंसर से बचाव

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि सूर्य से निकलने वाली हानिकारक यूवी किरणों से दाढ़ी बचाव करती है। दाढ़ी के बाल 95 प्रतिशत तक इन हानिकारक यूवी किरणों को रोकते हैं। शरीर के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक ये किरणें जानलेवा बीमारी कैंसर का कारण भी बन सकती हैं। इन किरणों से बचने के लिए दाढ़ी रखना सेहत और स्टाइल, दोनों लिहाज से अच्छा रहता है।

### एलर्जी की समस्या दूर

धूल और पॉल्यूशन के कारण होने वाली एलर्जी और अस्थमा की समस्या को कम करने में भी दाढ़ी के बाल बहुत ही मददगार होते हैं। ये बाल एक प्रकार से फिल्टर का काम करते हैं, जो चेहरे पर किसी भी चीज को डायरेक्ट पहुंचने से रोकते हैं। आंखों की पलकें और नाक के बाल भी यही काम करते हैं। फिल्टर के बाद प्योर ऑक्सीजन बॉडी में पहुंचती है।

### बनाए रखे जवां

एजिंग की समस्या को कम करती है दाढ़ी। दाढ़ी पॉल्यूटेड एनवायरन्मेंट से स्किन को बचाती है, जिससे असमय दिखने वाले बुढ़ापे की समस्या भी दूर होती है। चेहरे को पानी से धोने पर नमी बनी रहती है। साथ ही, चेहरे के सेबेसियस ग्लैंड्स भी बिअर्ड से कवर्ड रहते हैं। इनसे नमी को बनाए रखने वाले ऑयल निकलते हैं। स्टाइल के लिए रखी जाने वाली

बियर्ड जहां उम्र कम दिखाती है, वहीं कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि बियर्ड से उम्र ज्यादा नजर आती है।

### बीमार की आशंका कम

गर्मियों में गर्मी से और सर्दियों में सर्दी से बचाने में दाढ़ी कारगर साबित होती है। दाढ़ी सर्दी में चेहरे को गर्म रखने का काम करती है। बाहर की ठंडी हवाएं डायरेक्ट चेहरे तक नहीं पहुंच पाती। पुराने समय में ऋषि-मुनि दाढ़ी-मूंछ रखते थे। संभवतः इसके पीछे उनका मकसद रोगमुक्त होना रहा हो।

### इन्फेक्शन से बचाव

दाढ़ी चेहरे पर होने वाले कई सारे बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स, फॉलिकल्स और दाग-धब्बों से बचाती है। शेविंग के दौरान स्किन कट जाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन्स हो जाते हैं। साथ ही, कई बार ये बड़े घाव तक बन जाते हैं। जो लोग दाढ़ी रखते हैं, उनके साथ ये समस्या नहीं हो सकती।

### दाग-धब्बे ऑल क्लीयर

चेहरे के बाल कई प्रकार के दाग-धब्बों, जलने-कटने से बचाने के साथ ही उन्हें छिपाते भी हैं। ये चेहरे के ग्लो को भी बनाए रखते हैं। पुरुषों का दाढ़ी रखना इसलिए भी फायदेमंद माना गया है।

### नेचुरल मॉइश्चराइजर

ड्राय स्किन की शिकायत सिर्फ महिलाओं के साथ ही नहीं, पुरुषों के साथ भी हो सकती है। इससे बचने के लिए मॉइश्चराइजर और क्रीम लगाते हैं, लेकिन दाढ़ी भी स्किन को ड्राय होने से बचाती है।

### दाढ़ी के नुकसान भी

मर्दों की दाढ़ी को लेकर और दो तरह के अध्ययन किए गए हैं। पहले सर्वे में करीब 100 आदमियों पर अध्ययन किया गया, जिनकी उम्र 18 से 72 साल के बीच थी। ये 100 पुरुष भारत और अमरीका से थे। इन सभी पुरुषों की दाढ़ी अलग-अलग तरह की स्टाइल और लेंथ में थी। इस आधार पर इनके सामने कुछ सवाल रखे गए। इस सर्वे के अनुसार, दाढ़ी रखे 86 प्रतिशत भारतीय मर्द और 65 फीसदी अमरीकी मर्द तुलनात्मक रूप से अधिक रूढ़िवादी पाए गए। एक ऑनलाइन सर्वे द्वारा कराए गए इस सर्वे में पाया गया है कि दाढ़ी रखने वाले पुरुष अपनी पार्टनर के प्रति कम वफादार होते हैं। वहीं एक अन्य रिसर्च में कहा गया है कि ऐसे ज्यादातर पुरुष धोखेबाज होते हैं। हालांकि विशेषज्ञों की मानें तो दाढ़ी रखना काफी नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

### क्या सोचती हैं लड़कियां

**गुस्सैल दिखना:** दाढ़ी वाले युवा गुस्सैल दिखते हैं। एक शोध में यह पाया गया है कि आमतौर पर लड़कियां दाढ़ी रखने वाले युवाओं को गुस्सैल और लड़ाकू समझती हैं।

**गुदगुदी होती है:** वैसे तो अपने मेल पार्टनर की दाढ़ी में हाथ फेरना कुछ महिलाओं के लिए रोमांटिक हो सकता है, लेकिन कई अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि दाढ़ी-मूंछ के चलते महिलाओं को गुदगुदी होती है जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। दाढ़ी चुभने पर महिलाओं का मूड ऑफ हो जाता है।

**दाढ़ी से एलर्जी:** जाहिर है जिन लोगों की स्किन हाइपर सेंसिटिव है, जिन्हें हल्की दाढ़ी भी चुभती है और फौरन रैशेज निकल आते हैं, उनके करीब जाना खतरों से भरा है।

**उम्रदराज दिखते हैं:** लड़कियों का मानना है कि क्लीन शेव लड़के यंग दिखते हैं, लेकिन दाढ़ी में वो ज्यादा मैच्योर और उम्रदराज नजर आते हैं।

**क्लीन शेव वालों की छवि:** जो लड़के क्लीन शेव होते हैं, उनके बारे में धारणा यह है कि वे सफाई पसंद होते हैं और हाइजीन का ख्याल रखते हैं।

## स्टाइल स्टेटमेंट बन गए बेल्ट...

बेल्ट, है तो बहुत छोटा परंतु दाम में आपकी किसी पोशाक का मुकाबला कर सकता है। इसे पहले केवल पैंट को कसने के लिए पहना जाता था लेकिन आज यह एक स्टाइल स्टेटमेंट बन चुकी है। यह सुंदर चीज बहुत छोटी है लेकिन बडी स्टाइलिश। जब आप इसे अपनी कमर पर बांधते हैं, ये आपके पूरे रूप को परिवर्तित कर देता है। इसे पुरुष अपनी पतलून के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनना पसंद करती हैं। इसे पहले इसे केवल चमडे से बनाया जाता था किंतु आज ये कपडे या कृत्रिम चमड़े में भी बनी मिलती है।

**चमड़े का बेल्ट:** चमड़े का बेल्ट चाहे काले रंग का हो या भूरे रंग का आपको एक फॉर्मल लुक देने में मदद करता है। आप इस बेल्ट को अपनी फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते हैं। चूंकि ये बेल्ट चमड़े के बने होते हैं इन्हें संभालकर रखना बहुत जरूरी है। कमरे में यहां-वहां फेंकने से ये खराब हो सकते हैं।

**ब्रैडेड बेल्ट:** सुंदर ब्रैडेड बेल्ट के साथ अपने अद्भुत व कूल रूप को प्रकट करें। यदि आप लोगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं तो ये बेल्ट आपकी इस तमन्ना को पूरा कर सकता है। एक अच्छा लुक पाने के लिए इसे अपनी किसी भी सादी पतलून के साथ पहनें।

**नियॉन बेल्ट:** रंग-बिरंगे नियॉन बेल्ट आपके होश उड़ा देंगे। अब तक आप बेल्ट को अपनी पैंट को टिकाए रखने के लिए खरीदते थे। परंतु ये नियॉन बेल्ट एक फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए एवं आपको एक स्टाइलिश लुक प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। हज़ारों की भीड में अपनी एक अलग पहचान बनाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति इस बेल्ट को खरीद सकते हैं। इस बेल्ट को पुरुषों व महिलाओं दोनों द्वारा पहना जा सकता है।

**टेक्स्चर्ड बेल्ट:** कुछ टेक्स्चर्ड बेल्ट चमड़े के बने होते हैं तो कुछ कपड़े के। दोनों की तुलना में कपड़े के बेल्ट ज्यादा कारगर साबित होते हैं और इसे फाक्स सूड कहा जाता है। सूड बेल्ट काफी आरामदायक होते हैं और ये लेनिन व खाखी कॉम्बो के साथ सही बैठते हैं। हमें इसकी आरामदायक पकड व सुंदरता बेहद पसंद है। इस बेल्ट की खासियत को जानने के लिए इसे एक बार जरूर पहनें।

**ट्रैवल बेल्ट:** क्या आप अक्सर टुर पर रहते हैं? तथा पैसों के साथ अपने जरूरी दस्तावेजों को संभालना आपके लिए बहुत जरूरी हो जाता है? तो ट्रैवल बेल्ट पर एक नजर डालें। ट्रैवल बेल्ट में मौजूद चोर पाकिट आपके पैसों व कार्ड को संभाले रखने में मदद करता है।

## ज्यादा वजन में भी स्मार्ट दिखें...

**मर्दों** की चाहे कितनी भी उम्र हो जाए, लेकिन लड़कियों की तरह वे भी अपने वजन से कम ही दिखना चाहते हैं। मोटापा युवाओं को उम्र से ज्यादा बड़ा दिखता है और स्टाइल में भी कमी ला देता है, लेकिन अपने पहनावे में कुछ छोटे मोटे बदलाव कर के, पतले और स्मार्ट दिख सकते हैं। जानिए, इसके लिए क्या करने की जरूरत है।

**फिटिंग के कपड़े:** यह सोचना छोड़ दें कि ढीले ढाले कपड़ों में आप मोटे नहीं दिखेंगे। ढीले कपड़े मोटापे को और उभारते हैं इसलिए अपनी फिटिंग के ही कपड़े पहनें।

**सीधी लाइन वाली शर्ट:** ज्यादा वजन वाले युवाओं को सीधी लाइन वाली शर्ट ही पहननी चाहिए। ऐसा करने से उनकी तरफ देखने वाले लोगों की नजर उन रेखाओं पर जाती है यानी ऊपर से नीचे न कि वजन यानी दाएं से बाएं। यह साबित भी हो चुका है कि इंसानी दिमाग पहले सीधी लंबी रेखाओं की तरफ ही जाता है।

**शर्ट को टक इन न करें:** कोशिश करें हर बार शर्ट या टीशर्ट को पैंट के अंदर टक इन कर के न चलें। टक इन कर ने पर आपका पेट निकला हुआ दिखेगा जो जाहिर है आप नहीं चाहते।

**गाढ़े रंग के कपड़े:** गाढ़े रंग के कपड़े आप पर ज्यादा फबेंगे। ये भी एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है कि एक ऊपर से नीचे तक एक जैसा गाढ़ा रंग का कपड़ा पहनने वाला पतला दिखता है।

**दाढ़ी और बाल:** अपने बालों और दाढ़ी को इस तरह ही रखें जिससे आपका चेहेरा लंबा दिखे। इससे आप भी पतले दिखेंगे। फ्रेंच स्टाइल दाढ़ी जो ठुड्डी की तरफ लंबी हो, आप पर जमेगी।

HEALTH

*सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं*

# पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

**उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।**

### सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

### ...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

## आपसे कुछ चाहता है माइक्रोसॉफ्ट...

दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट जल्दी ही एंड्रॉयड के लिए ऑफिस प्रोडक्ट लॉन्च करने जा रही है। इससे आप माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पॉवरपॉइंट जैसे सॉफ्टवेयर अपने स्मार्टफोन और टैबलेट पर इस्तेमाल कर सकेंगे। माइक्रोसॉफ्ट चाहता है कि एंड्रॉयड इस्तेमाल करने वाले लोग उसके इस नए प्रोडक्ट की बीटा टेस्टिंग में उसकी मदद करें। ये बीटा टेस्टिंग वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, विसिओ, वन नोट, एक्सेस, पब्लिशर और आउटलुक के लिए होंगे।

### क्या करना होगा ?

इसके लिए आपको माइक्रोसॉफ्ट के शेयरप्वाइंट वेबसाइट पर जाकर रेजिस्ट्रेशन करना होगा। ये बीटा टेस्टिंग आप होम या बिजनेस यूजर के लिहाज से कर सकते हैं। इसके बाद आपको कई तरह के एप्लीकेशन और सर्विस को समझने का भी मौका मिलेगा। बस एक बात का ध्यान रखना होगा। आपके ऑफिस 365 सॉफ्टवेयर में जो भी सॉफ्टवेयर हैं आप सिर्फ उन्हीं से जुड़े प्रोडक्ट्स के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। इसकी फिलहाल कोई गारंटी नहीं है कि आपको ये मौका मिल ही जाएगा, पर अगर आप दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी की छोटी मदद कर सकते हैं तो आपके लिए ये बड़ी बात होगी।

### माइक्रोसॉफ्ट को क्या फायदा

माइक्रोसॉफ्ट को इससे यह फायदा होगा कि उसे बीटा टेस्टिंग के जरिये लोगों की पसंद-नापसंद का पता चल जाएगा। डेस्कटॉप सॉफ्टवेयर के बाजार में माक्रोसॉफ्ट का 90 फीसदी से भी ज्यादा का हिस्सा है। पिछले दशक में माइक्रोसॉफ्ट ने मोबाइल फोन और स्मार्टफोन की क्रांति पर ध्यान नहीं दिया जिससे बाजार अब गूगल और एप्पल के नाम हो गया है, लेकिन अब मोबाइल सॉफ्टवेर के बाजार में भी माइक्रोसॉफ्ट अपना हिस्सा बढ़ाना चाहता है।

# मां-बाप के तलाक के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं अंशुला कपूर

फिल्म निर्माता बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी मोना शौरी की बेटी अंशुला कपूर ने हाल ही में अपने बचपन के बारे में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कुबूल किया कि एक समय उन्हें लगता था कि उनके माता-पिता के अलग होने के लिए वह ही जिम्मेदार थीं। पिंकविला के साथ बातचीत में अंशुला ने बताया कि कैसे एक बच्चे के रूप में, उन्होंने अपने परिवार के टूटने के लिए खुद को दोषी ठहराया।

### खुद को अच्छी बेटी नहीं मानती थीं अंशुला

अंशुला ने बताया जब मैं छह साल की थी तब मुझे लगता था कि उनकी जिंदगी बहुत अच्छी चल रही थी। अचानक जब मैं उनकी जिंदगी में आई तो मुझे लगा कि मेरे आने के बाद वह एक साथ नहीं रह सकते। मुझे लगा कि मैं शायद अच्छी बेटी नहीं हूं। मुझे लगता है कि यह बात जान्हवी कपूर के जन्म के बाद और ज्यादा साफ हो गई। मुझे पता है कि यह अजीब है क्योंकि मुझे लगा कि शायद मेरे साथ कुछ दिक्कत है।

### बचपन में पड़ा बुरा प्रभाव

हालांकि अंशुला के माता-पिता ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनका तलाक उनकी गलती नहीं थी, लेकिन अंशुला कपूर ने बताया कि बचपन में इस बात से निकलना मुश्किल था। उन्होंने कहा मैं अब इस पर यकीन नहीं करती। लेकिन मैं उस वक्त एक बच्ची थी। मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी कि क्या गलत हुआ और सोच रही थी कि शायद मैं ही गलत थी। आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि किसी पर मनोवैज्ञानिक तौर से क्या प्रभाव पड़ता है।

### माता पिता की शादी

आपको बता दें बोनी कपूर ने 1983 में मोना शौरी से शादी की और उनके दो बच्चे अर्जुन और अंशुला कपूर हैं। 1996 में वे अलग हो गए और उसी साल बोनी ने अभिनेत्री श्रीदेवी से शादी कर ली। 1997 में जान्हवी कपूर का जन्म हुआ, उसके बाद खुशी कपूर का जन्म हुआ।

# हर्षाली मल्होत्रा का साउथ सिनेमा में डेब्यू

## अखंडा 2 में नजर आएंगी

सलमान खान की बजरंगी भाईजान की मुन्नी बनकर हर किसी के दिल में बसीं हर्षाली मल्होत्रा अब साउथ सिनेमा में अपना जलवा दिखाएंगी। वह नंदमुरी बालकृष्ण के साथ फिल्म अखंडा 2 में नजर आएंगी। फिल्म से हर्षाली मल्होत्रा का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया है, जो चर्चा में छाया है। अखंडा 2 में हर्षाली मल्होत्रा जननी का किरदार निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। अखंडा 2 से हर्षाली मल्होत्रा का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, उसमें वह पीले रंग का लहंगा पहने नजर आ रही हैं। जूलरी पहनी है और बाल हवा में लहरा रहे हैं। हर्षाली इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

### हर्षाली मल्होत्रा के फैंस झूमे

हर्षाली मल्होत्रा की फिल्म के ऐलान से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और उन्हें अखंडा 2 का बेसब्री से इंतजार है। एक फैन ने ट्वीट किया है, मुन्नी इज बैक। हर्षाली मल्होत्रा जिसने बजरंगी भाईजान में सबका दिल जीता, अब अखंडा 2 में नजर आएगी। एक ने लिखा, लंबे समय बाद हर्षाली वापस लौट रही है। मैं मुन्नी को देखने के लिए एक्साइटेड हूं।

### हर्षाली करेंगी बालाकृष्ण की बेटी का रोल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अखंडा 2 में हर्षाली मल्होत्रा, नंदमुरी बालकृष्ण की बेटी के रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2021 में आई इसी नाम की फिल्म का सीक्वल है। इस एक्शन-ड्रामा में प्रज्ञा जायसवाल, नवीना रेड्डी और नितिन मेहता जैसे एक्टर्स नजर आए थे। अखंडा साल 2021 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली तेलुगू फिल्म थी। इसने वर्ल्डवाइड 121-150 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। उम्मीद है कि अखंडा 2 भी वैसा ही कमाल दिखाएगी।

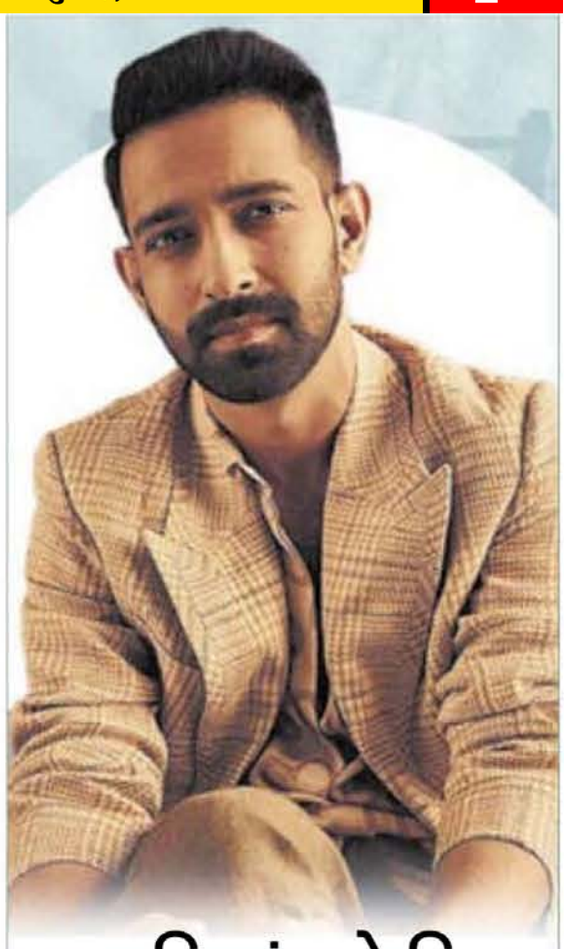

# अब विक्रांत ने किया दीपिका का समर्थन

## बोले- वो इसकी हकदार

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम करने की मांग के बाद इंडस्ट्री में एक बहस छिड़ गई है। दीपिका ने अपनी इसी शर्त के चलते संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' फिल्म भी छोड़ दी थी। इसके बाद इंडस्ट्री के कई लोगों ने दीपिका का समर्थन भी किया था। अब इसी लिस्ट में एक और नाम भी जुड़ गया है। अभिनेता विक्रांत मैसी ने भी दीपिका के आठ घंटे काम करने की मांग का समर्थन किया है।

### ये एक ऑप्शन होना चाहिए

बातचीत के दौरान विक्रांत ने दीपिका का समर्थन करते हुए कहा कि वह भी कुछ साल में ऐसा ही करना चाहते हैं। एक्टर ने कहा, मैं बहुत जल्द ऐसा कुछ करने की इच्छा रखता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि हम सहयोग कर सकते हैं, लेकिन मैं केवल आठ घंटे काम करूंगा। लेकिन साथ ही यह एक ऑप्शन होना चाहिए कि अगर मेरा प्रोड्यूसर इसे स्वीकार नहीं कर सकता। क्योंकि जब आप फिल्म बना रहे होते हैं तो इसमें बहुत सी और चीजें भी शामिल होती हैं।

### अपनी फीस कम करने को तैयार विक्रांत

अभिनेता ने आगे कहा कि वो आठ घंटे काम करने के बदले अपनी फीस कम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पैसा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मुझे अपनी फीस कम करनी होगी क्योंकि मैं बारह घंटे के बजाय आठ घंटे काम करूंगा। अगर मैं अपने प्रोड्यूसर को दिन में बारह घंटे नहीं दे सकता, तो मैं वहां जाकर अपनी फीस कम नहीं कर सकता। मुझे अपनी फीस कम करनी चाहिए। यह एक लेन-देन वाली बात है। दीपिका का समर्थन करते हुए विक्रांत ने कहा कि दीपिका हाल ही में मां बनी हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वह इसकी हकदार हैं।

### 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आएंगे विक्रांत

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ शनाया कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी, जो इस फिल्म से अपना डेब्यू कर रही हैं। संतोष सिंह द्वारा निर्देशित यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

# मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सबक था द ट्रेटर्स

हमेशा चर्चा में रहने वाला रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' खत्म हो चुका है और फिनाले में उर्फी जावेद ने अपनी शानदार गेम से सबका दिल जीतते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जीत के बाद उर्फी ने सोशल मीडिया पर अपनी बिग बॉस से लेकर द ट्रेटर्स तक की जर्नी को याद किया। उर्फी ने लिखा - बिग बॉस से निकलने के बाद द ट्रेटर्स जीतना, ये सफर आसान नहीं था। कई बार रोई, कई बार लगा अब नहीं होगा, लेकिन मैंने कभी रुकना नहीं सीखा। लोग क्या कहेंगे, ये कभी नहीं सोचा। उन्होंने आगे लिखा बिग बॉस के बाद लगा था अब कुछ अच्छा नहीं होगा। लेकिन मैंने खुद पर भरोसा रखा। लोग हमेशा शक करते रहे, आज भी करते हैं, लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैंने तीन ट्रेटर्स को बाहर किया, ये सिर्फ किस्मत नहीं थी, ये मेरी स्ट्रैटेजी थी। आखिरी पल तक डटी रही। द ट्रेटर्स में उर्फी जावेद ने अपने बेबाक अंदाज़ और आत्मविश्वास से सबका दिल जीत लिया। उन्होंने ये गेम अपने तरीके से खेला और अपनी मेहनत से जीत हासिल की।

# एक्टिंग करना आज भी मेरे लिए चुनौतीपूर्ण

लोकप्रिय टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार से मशहूर अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया है कि कई सालों तक कैमरे के सामने काम करने के बाद भी, उनके लिए एक्टिंग करना अभी भी एक चुनौती जैसा लगता है। शुभांगी अत्रे ने कहा कि हर नया किरदार उनके लिए नई चुनौतियां और सीख लेकर आता है, जिससे अभिनय जितना दिलचस्प लगने लगता है, उतना ही मुश्किल वाला एहसास भी देता है। उन्होंने कहा, मुझे संघर्ष शब्द थोड़ा नेगेटिव लगता है, लेकिन अभिनय में हर समय हम आगे बढ़ते रहते हैं। कई साल काम करने के बाद भी कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। यह सफर कभी खत्म नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी खास बनता जाता है। मुझे एक्टिंग कभी आसान नहीं लगती क्योंकि हर किरदार के अपने अलग भाव होते हैं। आप किसी और की जिंदगी में कदम रखते हो, और इसके लिए बहुत ईमानदारी और मेहनत करनी पड़ती है। लंबे शूटिंग और थकावट की स्थिति में वह खुद को किस तरह प्रेरित करती हैं, इस पर शुभांगी ने कहा, मैं खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मैंने यह काम क्यों शुरू किया था। मुझे सच में अपने काम से बहुत प्यार है और जब दिन मुश्किल होते हैं, तो मैं छोटी-छोटी अच्छी बातों में खुशी ढूंढ़ती हूं, जैसे कोई जबरदस्त डायलॉग या बेहतरीन सीन। यही चीजें मुझे आगे बढ़ने में मदद करती हैं। शुभांगी ने सोशल मीडिया और फीडबैक के बारे में बात करते हुए कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली दुनिया में दर्शकों की प्रतिक्रिया कभी-कभी प्रेरित करती है और कभी-कभी ज्यादा दबाव भी बना देती है। उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ऐसा होता है जैसे फ्यूल, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस दबाव में न आऊं। मैं जो भी किरदार निभाती हूं, पूरी ईमानदारी से करती हूं, ताकि कहानी में वास्तविकता बनी रहे।
शुभांगी अत्रे ने टीवी पर कहानी कहने के बदलते तरीके पर भी अपनी बात बताई। उन्होंने कहा कि आजकल के ज्यादातर टीवी शो असल जिंदगी से प्रेरित हैं, जिससे कलाकारों को ज्यादा गहराई वाले किरदार निभाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा, टीवी पर कहानी कहने का बदलाव कलाकारों के लिए एक नया अध्याय जैसा है। अब किरदार जटिल और असली होते हैं। मुझे अच्छा लगता है जब मैं किसी भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखा पाती हूं। यह सब नया और बहुत मजेदार होता है।

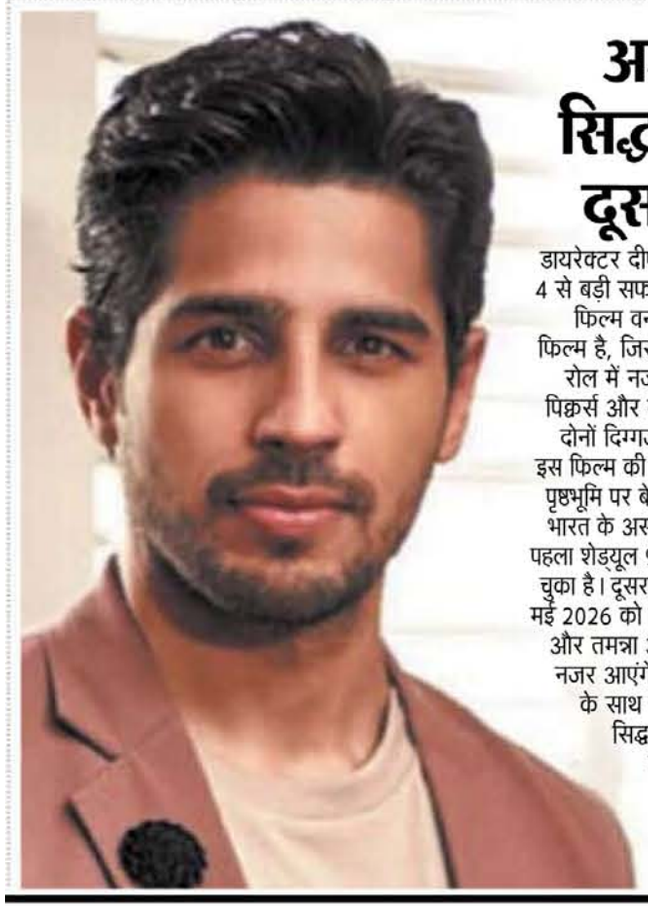

# अगस्त में शुरू होगा सिद्धार्थ की वन... का दूसरा शूटिंग शेड्यूल

डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा, जिन्होंने हाल ही में पंचायत 4 से बड़ी सफलता हासिल की है, अब अपनी पहली फीचर फिल्म वन पर काम कर रहे हैं। यह एक लोक-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर मिलकर कर रहे हैं, जो इन दोनों दिग्गज प्रोडक्शन हाउस का पहला साझा प्रोजेक्ट है। इस फिल्म की कहानी भारतीय लोक कथाओं और जंगलों की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है, जिसे रियलिस्टिक दिखाने के लिए मध्य भारत के असली जंगलों में शूट किया जा रहा है। फिल्म का पहला शेड्यूल 9 जून से शुरू हुआ और सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। दूसरा शेड्यूल अगस्त में शुरू होगा। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि सिद्धार्थ और तमन्ना अपनी इस आगामी फिल्म में पहली बार साथ नजर आएंगे, वहीं दीपक की भी यह इन दोनों कलाकारों के साथ पहली ही फिल्म है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धार्थ पिछली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म योद्धा में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन सागर अम्बे और पुष्कर ओझा ने किया था। फिल्म में सिद्धार्थ के अलावा तमन्ना भाटिया भी लीड रोल में नजर आएंगी।

# 'ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी जिसमें कहानी अहम हो'

हाल ही में राजकुमार राव अपनी फिल्म 'मालिक' के प्रमोशन के लिए लखनऊ पहुंचे। फिल्म 'मालिक' में क्या खास बात लगी? इस फिल्म के किरदार के लिए क्या तैयारियां कीं? और अपने करियर में अब तक निभाए गए किरदारों पर क्या कहना है राजकुमार राव का? जानिए।

### एक्शन जॉनर में देरी से आने की वजह

'मालिक' राजकुमार राव के करियर की पहली फिल्म होगी, जिसमें वह पूरी तरह से एक्शन अंदाज में नजर आ रहे हैं। मगर इस जॉनर में आने के लिए इतनी देरी क्यों हुई? यह सवाल पूछने पर राजकुमार राव कहते हैं, 'मुझे पहले भी एक्शन स्टोरी ऑफर हुईं, मगर उन कहानियों में कहानी मौजूद नहीं थी, बस एक्शन था। लेकिन मुझे ऐसी एक्शन फिल्म करनी थी, जिसमें कहानी अहम हो। जब पुल्कित ने मुझे 'मालिक' की कहानी सुनाई तो अच्छी लगी, इसमें कहानी है, एक्शन है और कमाल के डायलॉग भी हैं। इस फिल्म की कहानी मेरे दिल को छू गई।'

### करियर कभी प्लान नहीं किया था

राजकुमार राव के करियर ग्राफ पर अगर नजर डालें तो वह अलग-अलग जॉनर में रंग जमा चुके हैं। उन्होंने 'सिटी लाइट्स' से लेकर 'स्त्री' फिल्म तक में अभिनय के अलग रंग दिखाए। क्या राजकुमार ने अपना करियर इसी तरह से प्लान किया था? इस सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं अपना करियर प्लान करके नहीं आया था। मगर यह सब अपने आप होता गया। पहले 'ट्रैप', 'न्यूटन', 'शाहिद', 'एलएसडी' जैसी फिल्में कीं, इसके बाद 'बरेली की बर्फी' और 'स्त्री' और 'भूल चूक माफ' जैसी फिल्में कीं। अब 'मालिक' में एक्शन कर रहा हूं। यह सभी अलग-अलग जॉनर की फिल्में थीं। मेरा मकसद बस एक्साइटिंग कहानियां का हिस्सा बनना है। ऐसी कहानियों की तलाश है, जो मुझे बतौर एक्टर चैलेंज करें, संतुष्टि दें।'

### कब रिलीज होगी फिल्म 'मालिक'

फिल्म 'मालिक' को पुल्कित ने निर्देशित किया है। इस डायरेक्टर के साथ पहले भी राजकुमार राव 'बोस डेड/अलाइव' कर चुके हैं। राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' 11 जुलाई को रिलीज होगी।

# प्रदूषण खत्म न हुआ तो भविष्य खतरे में आएगा : नितिन गडकरी

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को यमुना ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे से जोड़ने वाले इंटरचेंज का आज केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने निरीक्षण किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इंटरचेंज पर 'एक पेड़ माँ के नाम-2.0' अभियान की शुरूआत भी की। इस अवसर उन्होंने कहा कि अगर प्रदूषण खत्म न हुआ तो भविष्य खतरे में पड़ जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने स्वच्छता के महत्व को समझते हुए उसके प्रति जागरुकता निर्माण करने के उद्देश्य से मंगलवार को फरीदाबाद-नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कॉरिडोर (फरीदाबाद-जेवर एक्सप्रेसवे) में 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन किया।

## दिल्ली में कचरे के पहाड़ नष्ट करने का संकल्प

**केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने दिल्ली में चार बड़े कचरे के ढ़ेर को नष्ट करने का संकल्प लिया है। एनएचएआई ने 80 लाख टन कचरा रोड पर डाला है जिसके कारण गाजीपुर के कचरे का पहाड़ 7 मीटर कम हुआ है। उन्होंने कहा कि कचरे के ढ़ेर को हटाकर दिल्ली के प्रदूषण को कम करने का संकल्प विभाग ने लिया है।**

कार्यक्रम स्थल में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश को हरित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने के लिए टिकाऊ जीवनशैली को अपनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल शुरु की गई थी। यह केवल पर्यावरण के लिए योगदान नहीं, बल्कि धरती माँ के प्रति आभार प्रकट करने का पावन तरीका है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक पर्यावरणीय प्रयास नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, नैतिक आंदोलन है। माँ के प्रेम और प्रकृति की ममता को जोड़ने वाला 'जन आंदोलन' है। विकास को नैतिकता, अर्थव्यवस्था, परिस्थितिकी और पर्यावरण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत, हमने कार्बन उत्सर्जन को कम करने और हमारे राष्ट्रीय राजमार्गों को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब तक 4.78 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए गए है, 70,000 पेड़ों का ट्रांसप्लांटेशन किया गया है। वर्ष 2024-25 में 60 लाख पेड़ का लक्ष्य था, जब कि 67 लाख पौधे लगाकर 112 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है। दिल्ली-एनसीआर में मियावाकी पद्धति से 53 एकड़ भूमि पर 4 लाख पौधे लगाए गए है। उन्होंने सभी से निवेदन और आग्रह करता हूँ, कि इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और धरती माता और हमारी माताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने के अवसर का हिस्सा बनें। हम सब मिलकर ऐसा भारत बनाएं, जो तेज भी हो, टिकाऊ भी हो और हरियाली से लथपथ भी हो।

## दिल्ली के प्रदूषण ने कम की आम आदमी की जिंदगी

**केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वह दिल्ली में एक-दो दिन ही रूकते हैं क्योंकि दिल्ली का प्रदूषण बेहद खतरनाक है। दिल्ली में जो प्रदूषण है उसने आम आदमी का जीवन कम कर दिया है। अब दिल्ली-एनसीआर के पास जेवर एयरपोर्ट बनेगा तो आज जो यहां जीवन है उसमें बड़ा बदलाव होगा। इसलिए हमें आज से प्रयास करना होगा कि जेवर एयरपोर्ट शुरू होने से हले इस क्षेत्र को हरियाली से भरपूर बना दें।**

## बाम्बू की खेती बनेगी बड़ी इकॉनोमी

**केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि चीन में बाम्बू की खेती की इकॉनोमी 2 लाख करोड़ रूपये है। अब भारत में भी बाम्बू की खेती को इकॉनोमी के लिए एक बड़ा साधान बनाना है। उन्होंने कहा कि बाम्बू की कटाई के लिए पहले विभाग से अनुमति लेनी पड़ती थी, लेकिन प्रधानमंत्री के निर्देश पर अब इस अनुमति के नियम को खत्म कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि बाम्बू से जर्सी, आचार, कपड़े और इथोनॉल तथा वाइट कोल बनाया जाता है।**

## ऑटो मोबाइल सेक्टर को नम्बर-1 बनाना है

**केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश के प्रदूषण को बढ़ाने में ट्रांसपोर्ट विभाग का 40 प्रतिशत का हिस्सा है। हम जितने नए रास्ते बना रहे हैं उतने ही वाहनों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब वह मंत्री बने तो भारत का ऑटो मोबाइल सेक्टर दुनिया में 13 या 14वें नंबर पर था, लेकिन कुछ वर्षों में ही भारत ने जापान को पछाड़कर ऑटो मोबाइल सेक्टर में तीसरा स्थान हासिल किया है। आज भारत का ऑटो मोबाइल इंडस्ट्री 42 लाख करोड़ रूपये की है। इस इंडस्ट्री ने सबसे ज्यादा जीएसटी व रेवेन्यू दिया है और 4.50 करोड़ युवाओं को रोजगार दिया है। उन्होंने कहा कि अगले 5 सालों में भारत का ऑटो मोबाइल सेक्टर को नम्बर-1 बनाना है।**

## बरसात के पानी का करें संचय

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारियों को इस अवसर पर सलाह देते हुए कहा कि बरसात के पानी का संचय करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में उन्होंने एक हजार अमृत सरोबर बनाए हैं। जिसमें पानी संचय किया जाता है। उन्होंने कहा कि दौड़ने वाले पानी को चलने, चलने वाले पानी को रूकने तथा रूके हुए पानी को धरती के लिए बचाएं जिससे आने वाले भविष्य सुरक्षित हों। जल, जमीन, जंगल और जानवर को सुरक्षित करना होगा अगर पर्यावरण की रक्षा अभी नहीं की तो हमारा भविष्य खतरे में पड़ जाएगा।

## प्रमुख सचिव ने पौधारोपण की तैयारियों का लिया जायजा

**नोएडा (चेतना मंच)।** 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' वृक्षारोपण महाअभियान-2025 के तहत जनपद में चल रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग तथा जनपद के नोडल अधिकारी मुकेश कुमार मेश्राम ने आज सेक्टर 43 एवं 54 नोएडा का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने दोनों स्थलों पर गड्ढा खुदाई, पौधों की उपलब्धता, स्थल चिह्नांकन एवं समग्र व्यवस्था का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृक्षारोपण के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए तथा लगाए गए पौधों की समयबद्ध सिंचाई और सुरक्षा की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने प्रभागीय वन अधिकारी से पौधों की संख्या, प्रजातियों एवं लॉजिस्टिक व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि अभियान को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तथा इसकी निगरानी लगातार की जाए।

इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, प्रभागीय वन अधिकारी पी के श्रीवास्तव, सहायक निदेशक सूचना सुनील कुमार कनौजिया, साथ ही प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

## दो मेडिकल स्टोर से लिए दवाओं के नमूने

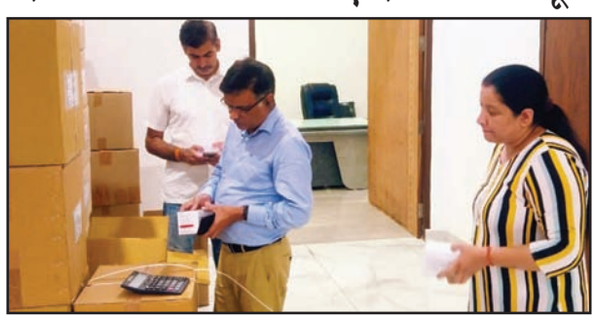

**नोएडा (चेतना मंच)।** आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जनपद के मेडिकल स्टोर्स पर मानकों के अनुरूप दवाईयों की बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से विगत दिवस औषधि निरीक्षक जय सिंह ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान ईराया फार्मा प्राइवेट लिमिटेड चिपियाना ग्रेटर नोएडा से 05 एवं ओरेन मेडिकोज सेक्टर-51 नोएडा से 1 दवा, कुल 6 दवाओं के नमूने जांच हेतु संग्रहित किये हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

## प्रमुख सचिव से मिले एनईए अध्यक्ष व महासचिव

**नोएडा (चेतना मंच)।** शासन स्तर पर नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों के कार्यों के संबंध में नोएडा प्राधिकरण के नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन (एनईए) के अध्यक्ष व महासचिव ने प्रमुख सचिव औद्योगिक एवं स्थापना विभाग आलोक कुमार से मुलाकात की तथा पदोन्नति एवं वेतन विसंगति आदि के बारे में पत्र सौंपा गया।

एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में अध्यक्ष चौधरी राजकुमार सिंह व महासचिव जितेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

## ज्ञानश्री विद्यालय ने मनाया 'शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह'

**नोएडा (चेतना मंच)।** ज्ञानश्री विद्यालय में आयोजित 'शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह 2025' का आयोजन हुआ।

आयोजन की मुख्य अतिथि सीबीएसई, आरओ नोएडा की क्षेत्रीय निदेशक, श्रीमती एस. धारणी अरुण रहीं। समारोह में गौतमबुद्धनगर के अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विद्यालय के चेयरमैन एम.एल. अग्रवाल ने भी छात्रों और शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। इस दौरान विद्यालय और जिले की टॉपर आकांक्षा चौहान को 99.75 प्रतिशत की अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। उनके साथ ही मेधावी छात्र- भोर दीक्षित, तरवी गुप्ता, और सांची दासगुप्ता को भी विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका भाटकोटी ने अपने भावपूर्ण संबोधन में अध्यक्ष श्री एम.एल. अग्रवाल के नेतृत्व और अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

## सोरखा में करोड़ों की जमीन कब्जे से मुक्त कराई

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा में सोरखा जाहिदाबाद गांव में चार खसरों की जमीन पर अवैध निर्माण किया गया था। नोटिस जारी करने के बाद भी निर्माण को न तो हटया गया और न ही जवाब दिया गया। वर्क सर्किल-6 की टीम ने जेसीबी की मदद से यहां अभियान चलाया। अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। इस जमीन की कीमत करीब 18 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। अवैध निर्माण कर्ताओं को चेतावनी दी गई कि दोबारा ऐसा नहीं होना चाहिए। तार से फेंसिंग कराई जा रही है। प्राधिकरण ने बताया कि सोरखा जाहिदाबाद गांव में खसरा नंबर-949,615,618 और 612 प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन है। निगरानी का काम प्राधिकरण का है। यहां कमरा और प्लाट के चारों ओर बाउंड्री और गेट बना दिया गया था। प्लाट का एरिया करीब 4500 वर्गमीटर है। इस जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए सर्किल-6 की अगुवाई में एक टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने प्लाट पर बने पक्के निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया। इस दौरान वहां कुछ लोग पहुंचे। पुलिस बल ने उनको शांत कराया और दस्तावेज दिखाए।

करीब आधे घंटे में अवैध निर्माण ध्वस्त किया गया। जिसके बाद टीम वापस आ गई। प्लाट के चारो ओर पिलर लगाकर फेंसिंग कराई जा रही है।

## जन्मदिन की बधाई

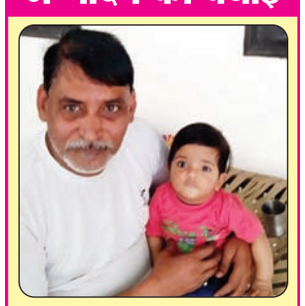

**वरिष्ठ किसान नेता चौधरी रणवीर अवाना जी के पौत्र शशांक अवाना को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनायें। देवाधिदेव महादेव की कृपा आप पर सदैव बनी रहे दीर्घायु हो यशस्वी बनो हमेशा स्वस्थ रहो।**

**चेतना मंच परिवार**